फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 5, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 213 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

06 फरवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम

22.8 अधिकतम

13.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष के मंच पर गैस बैलून में ब्लास्ट

उज्जैन। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष श्याम टेल की स्वागत रैली में गुरुवार को बड़ा हादसा होते-होते बच गया। स्वागत मंच पर हाईड्रोजन गैस से भरा एक बड़ा बैलून तेज आवाज व रोशनी के साथ अचानक ब्लास्ट हो गया। चंद सेकंड के लिए ऐसा लगा जैसे कोई बम ब्लास्ट हुआ हो। धमाके की आवाज से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रदेशाध्यक्ष सहित कुछ अन्य लोग मंच व सामने गिर पड़े। हालांकि चंद मिनटों में हालात सामान्य हो गए।

मेघालय खदान हादसा: बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा

शिलांग। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट में 18 खनन कार्य करने वाले श्रमिकों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में कई अन्य के फंसे होने की आशंका है, जिनके चलते गुरुवार देर शाम तक बचाव अभियान चलाया गया, जिसे अंधेरा होने के कारण रोकना पड़ा, आज सुबह फिर से बचाव अभियान शुरू किया गया है। सरकार ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक आई नोंगरांग के मुताबिक बचाव दल तलाशी अभियान में लगे हुए हैं।

भागीरथपुरा में 33वीं मौत इलाज के दौरान दम तोड़ा

इंदौर। भागीरथपुरा में एक और मौत का मामला सामने आया है। हलकूप्रसाद यादव ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वे वेंटिलेटर पर थे। इससे पहले उनकी पत्नी की भी मौत हो चुकी है, जिससे शोक का माहौल है। भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रही मौतों से क्षेत्र के लोगों में अब भी डर का माहौल है। उल्टी-दस्त से पीड़ित होने के बाद बीमारी बढ़ती है और फिर धीरे-धीरे शरीर के अंगों पर असर होना शुरू हो जाता है। पिछले दिनों हुई मौतों में बुजुर्गों की संख्या ज्यादा सामने आ रही है।

युवराज मौत केस: बिल्डर को रिहा करने का आदेश

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की मौत के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने नोएडा पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन को गंभीर मानते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने हैबियस कॉर्पस रिट में याचिकाकर्ता अभय कुमार को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि गिरफ्तारी के समय अरेस्ट मेमो की क्लॉज-13 का पालन नहीं किया, जो कानूनन अनिवार्य है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में हुई लापरवाही न केवल संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

आज का कार्टून

नौकरशाही को नहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश की परवाह

- यूजीसी की विवादित गाइडलाइन पर देश भर में हो चुका है बवाल
- उत्पीड़न के शिकार छात्रों में केवल आरक्षित श्रेणी के, सामान्य वर्ग बाहर

प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने कैम्पस के लिए जारी कर दी जातिगत भेदभाव वाली गाइडलाइन

भोपाल

कैम्पस में छात्रों का उत्पीड़न रोकने के लिए लाई गई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की गाइडलाइन पर देश भर में मचे बवाल के बाद देश की सर्वोच्च अदालत ने भले ही इसके अमल पर रोक लगा दी हो, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार अपरोक्ष रूप से इसे लागू करने पर आमादा है। विवाद की जड़ में उत्पीड़न का शिकार होने वाले छात्रों की श्रेणियां रही हैं, जिनमें सामान्य वर्ग को शामिल नहीं किया गया था। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट का स्टे भी आया।

लेकिन लगता है प्रदेश की अफसरशाही को इससे कोई वास्ता नहीं। अदालत के आदेश के तीन दिन बाद ही प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने जो दिशा निर्देश जारी किये हैं उनमें भी कैंपस में पीड़ित होने वाले छात्रों को सिर्फ आरक्षित वर्ग तक ही सीमित रखा गया है। सरकार के इस कदम से सवर्ण समाज में आंदोलन की दबी चिंगारी को फिर हवा मिलने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

दोपहर मेट्रो एक्सक्लूसिव
अनिल शर्मा

29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी की गाइडलाइन लागू करने पर रोक लगा दी थी। सर्वोच्च अदालत ने माना था कि उत्पीड़न के शिकार होने वाले छात्रों में सामान्य वर्ग को शामिल न करना और यह मानना की ऐसी सिर्फ आरक्षित वर्ग के साथ ही होगा, उचित नहीं है। इससे भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा। यह समाज को बांटने वाला है

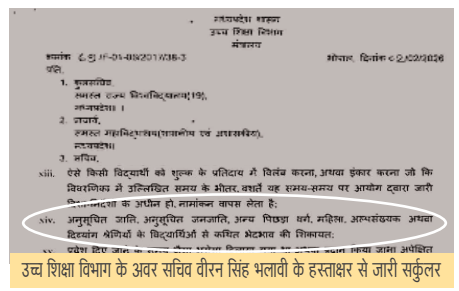

उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी के हस्ताक्षर से जारी सर्कुलर

और इसका दुरूपयोग हो सकता है। इसके बाद अलग - अलग राज्यों में चल रहे आंदोलन थम गए थे। लेकिन तीन दिन बाद यानी 2 फरवरी को प्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार और कॉलेजों के प्राचार्य को एक विस्तृत सर्कुलर भेजता है। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी के हस्ताक्षर से जारी इस सर्कुलर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 2023 के नियमों का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में अनिवार्य रूप से लोकपाल और विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति का गठन किया जाना है। ये समितियां 15 दिनों के भीतर शिकायतों का निराकरण कर संस्था प्रमुख को भेजेंगी। इससे असंतुष्ट होने पर छात्र लोकपाल को अपील करेंगे जहाँ से 30 दिनों के भीतर निराकरण होगा। ख़ास बात यह है कि शिकायत निवारण समितियों में एक सदस्य अनिवार्य रूप से एससी - एसटी - ओबीसी का रखे जाने का प्रावधान है। सामान्य वर्ग के सदस्य की कोई अनिवार्यता नहीं है।

आपत्ति वाले प्रावधान जस के तस

सर्कुलर में छात्रों की शिकायतों में एडमिशन से लेकर सिलेबस, पढाई के स्तर को शामिल किया गया है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की मंशा के विपरीत जातिगत भेदभाव यहां मौजूद है। इसके तहत यह मानकर चला जा रहा है कि भेदभाव केवल आरक्षित वर्ग के साथ ही हो सकता है, सामान्य वर्ग के साथ नहीं। सर्कुलर के बिंदु 7 की कंडिका कहती है- 'अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक अथवा दिव्यांग श्रेणियों के विद्यार्थियों से कथित भेदभाव की शिकायत।' आगे कहा गया है कि लोकपाल का फैसला आने के बाद संस्थान के साथ ही पीड़ित छात्र को भी उसके आदेश की प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जहां शिकायत झूठी पाई जाएगी वहां लोकपाल शिकायतकर्ता के विरुद्ध उपयुक्त कार्रवाई की सिफारिश कर सकता है। बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रदेश की नौकरशाही इस बात से अनजान है कि इस संवेदनशील मामले को लेकर देश भर में बवाल हो चुका है और सुप्रीम कोर्ट स्थगन आदेश दे चुका है। जाहिर है अफसर इससे अनजान तो नहीं होंगे। फिर , यह इस बात का जीता जागता उदाहरण है कि किस तरह फाइलें चलती हैं और उन पर हस्ताक्षर होते हैं। अगर सतर्कता दिखाई जाती तो पहले से जारी इस गाइड लाइन से जातियों वाला बिंदु हटाया जा सकता था। सवाल यह भी कि ऐसे दिशा निर्देशों की वजह से यदि कोई अप्रिय घटना घटती है तो फिर जिम्मेदारी किसकी तय होगी।

रेपो रेट में बदलाव नहीं

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : रिजर्व बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने मॉनिटरी पॉलिसी का एलान कर दिया है और ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 5.25% पर अपरिवर्तित रखा है। आरबीआई ने फरवरी 2025 से अब तक रेपो दर में कुल 125 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है। आरबीआई की एमपीसी की यह बैठक बजट 2026-2027 और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद हुई है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई अब नियंत्रित दायरे में बनी हुई है, और भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है।

संस्कृति जैन को अवमानना से राहत

जबलपुर। भोपाल नगर निगम की आयुक्त संस्कृति जैन को अवमानना मामले में हाईकोर्ट ने राहत दे दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी। नगर निगम द्वारा की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई मामले में अवमानना आदेश आया था। आज एकलपीठ के समक्ष सजा के प्रश्न पर सुनवाई होनी थी। निगमायुक्त को अपना पक्ष देखने हाजिर रहने कहा गया था। किन्तु इससे पूर्व ही युगलपीठ में आवेदन दायर कर निगमायुक्त जैन ने सजा पर रोक की मांग कर दी।

रेट तय न होने को लेकर कैब ड्राइवरों ने बुलाई देशव्यापी हड़ताल

कल थमे रहेंगे ओला-उबर व रैपिडो के पहिए

नईदिल्ली, एजेंसी

अगर आप कल कहीं जाने के लिए ओला, उबर या रैपिडो बुक करने की सोच रहे हैं तो थोड़ी सावधानी बरतें। कल, यानी शनिवार (7 फरवरी) को इन कंपनियों के ड्राइवरों ने देशभर में हड़ताल का एलान किया है।

ड्राइवरों ने इसे 'ऑल इंडिया ब्रेकडाउन' का नाम दिया है और वे अपना मोबाइल एप बंद रखेंगे। इस वजह से आपको कैब, ऑटो या बाइक टैक्सी मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। इस हड़ताल को तेलंगाना गिग वर्कर्स यूनियन और दूसरे संगठनों ने

मिलकर शुरू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साफ कहा है कि 7 फरवरी को पूरे भारत में ड्राइवर काम बंद रखेंगे। उनका कहना है कि न तो उनका कोई किराया तय है और न ही कोई नियम, बस उनका शोषण हो रहा है। यूनियन ने नितिन गडकरी (सड़क परिवहन मंत्री) को चिट्ठी लिखकर अपनी शिकायतें बताई हैं। ड्राइवरों का कहना है कि सरकार की तरफ से कोई रेट तय नहीं है इसलिए कंपनियां अपनी मर्जी से पैसे काटती हैं। इस वजह से ड्राइवरों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है और उनकी कमाई का कोई भरोसा नहीं रह गया है। यूनियन ने सरकार से मांग की है कि ऑटो, टैक्सी और बाइक टैक्सी के लिए तुरंत एक न्यूनतम किराया तय किया जाए और यह फैसला ड्राइवरों के साथ बातचीत के बाद ही लिया जाना चाहिए।

पीएम की परीक्षा पर चर्चा

इंटरनेट सस्ता है, पर अपना कीमती समय बर्बाद न करें

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पर चर्चा की। परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण में उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान छात्रों ने पीएम मोदी से कई तरह के सवाल किए। पीएम मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि इंटरनेट सस्ता है, लेकिन इंटरनेट पर अपना किमती समय बिल्कुल भी बर्बाद न करें।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने अपने उम्र का जिक्र करते हुए कहा, 'अभी मेरे जन्मदिन पर 17 सितंबर को एक नेता ने फोन किया और कहा कि आपके 75 साल हो गए, तो मैंने उसे कहा कि 25 अभी बाकी हैं। मैं बीते हुए को नहीं, बल्कि बचे हुए को गिनता हूं। '

हर चीज का संतुलन जरूरी

पीएम मोदी से एक छात्र ने पूछा- स्किल ज्यादा जरूरी है या मार्क्स? इसका जवाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा 'हर चीज में संतुलन होना चाहिए। एक तरफ झुकोगे तो गिरोगे ही गिरोगे। उन्होंने कहा स्किल दो तरीके की होती है पहली लाइफ स्किल और दूसरी प्रोफेशनल स्किल। ऐसे में इन दोनों स्किल पर ध्यान देना जरूरी है। 'पीएम ने कहा कि बिना अध्ययन और ऑब्जरवेशन किए और बिना ज्ञान प्रयुक्त किए कोई भी स्किल आ सकता है क्या? स्किल की शुरुआत तो ज्ञान से ही होती है, उसका महत्व कम नहीं है। पीएम मोदी ने छात्रों से कहा आपके माता-पिता, शिक्षक या सहपाठी कुछ भी कहें लेकिन आपको खुद पर विश्वास होना चाहिए।

मऊगंज में परीक्षा देने निकली आठवीं की छात्रा से गैंगरेप, जंगल में बेहोश मिली

मऊगंज, एजेंसी

मऊगंज में 14 साल की आठवीं की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे सहेली के साथ आठवीं प्री-बोर्ड की परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में दो बाइक पर चार युवक मिले। दोनों छात्राओं को जंगल ले गए। एक को कुछ दूर पर छोड़ दिया, फिर दूसरी छात्रा के साथ गैंगरेप किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने छात्रा को कोई नशीला पदार्थ खिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। उसे सिविल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, युवती शाम तक जब घर नहीं पहुंची तो खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद गांव के पास जंगल में बेसुध हालत में मिली। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

मां बोली- तीन लोगों ने मिलकर की वारदात

सूचना मिलते ही एसपी दिलीप सोनी और एसडीओपी सची पाठक थाना पहुंचे। इस मामले में चार आरोपियों के नाम सामने आए हैं। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि युवती को होश आ गया है, लेकिन वह अभी स्पष्ट बयान देने की स्थिति में नहीं है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ जारी है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जा रही है और पीड़िता के बयान के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

पंजाब में आप नेता की दिनदहाड़े हत्या

जालंधर। मॉडल टाउन में आज दिनदहाड़े आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबेरॉय की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। लकी ओबेरॉय किसी निजी कार्य से मॉडल टाउन गुरुद्वारा साहिब के पास गए हुए थे। वह गाड़ी में बैठे थे, तभी कुछ हमलावर वहां पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी हमलावरों ने बेहद नजदीक से करीब 13 गोलियां चलाईं, जो लक्की ओबेरॉय को लगीं। गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट का फैसला... सहमति से बने संबंध बिगड़ने पर दर्ज होते हैं बलात्कार के केस

महिला विवाहित है तो नहीं लगा सकती शादी के झूठे वादे पर रेप का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई विवाहित महिला किसी दूसरे पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाती है और बाद में शादी का झूठा वादा करके रेप का केस दर्ज कराती है, तो यह कानून का दुरुपयोग है। ऐसी स्थिति में महिला रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती। कोर्ट ने एक वकील के खिलाफ महिला वकील द्वारा दायर रेप के मामले को रद्द करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब आपकी सहमति से बने संबंध बिगड़ जाते हैं तो रेप के मामले दर्ज कराए जाते हैं। जब कोई विवाहित महिला किसी दूसरे पुरुष के साथ शारीरिक संबंध

बनाती है, तो वह इस आधार पर उसके खिलाफ रेप का मामला दर्ज नहीं कर सकती कि उसने शादी के वादे पर यौन संबंध बनाए थे। एक मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, ऐसी स्थिति में महिला रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती है, क्योंकि वह पहले से शादीशुदा होने के कारण कानूनी तौर पर शादी के लिए योग्य नहीं थी। अदालत ने कहा, जब वे रिश्ते में थे तब शिकायतकर्ता पहले से ही शादीशुदा थी और यह सहमति से बने रिश्ते के कटुतापूर्ण रूप लेने का एक क्लासिक केस था। सर्वोच्च अदालत द्वारा यह फैसला एक महिला वकील द्वारा दायर उस केस को रद्द करते हुए सुनाया गया, जिसमें उसने एक वकील पर शादी का झूठा वादा करके रेप का आरोप लगाया था। बेंच ने स्पष्ट किया कि अगर किसी महिला ने शादी के झूठे वादे के आधार पर यौन संबंध बनाए भी हों, तो भी वह रेप का केस दर्ज नहीं करा सकती। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह खुद शादी के योग्य नहीं थी, न तो पहले कथित अपराध के समय और न ही बाद में। हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 5(i) के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का पहले से ही कोई जीवित जीवनसाथी है, तो वह दोबारा शादी नहीं कर सकता।

रेप केस में सावधानी बरतें अदालतें

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों को रेप के असली मामलों की पहचान करने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। आज के समय में कानून का दुरुपयोग हो रहा है, इसलिए यह देखना जरूरी है कि क्या रेप के अपराध के सभी जरूरी तत्व मौजूद हैं। बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा, यदि तर्क के लिए भी यह मान लिया जाए कि वास्तव में विवाह का झूठा वादा किया गया था जिसके आधार पर अभियुक्त ने यौन संबंध बनाए, तो भी ऐसा वादा कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होगा और न ही उस पर अमल किया जा सकता है। क्योंकि पीड़िता स्वयं विवाह के योग्य नहीं थी, न तो अपराध की पहली घटना की तारीख को और न ही बाद की किसी भी तारीख को जब दोनों पक्षों ने यौन संबंध बनाए।

होशंगाबाद रोड पर नालियां खुलीं व स्लैब टूटे

भोपाल के प्रमुख मार्ग होशंगाबाद रोड पर नगर निगम द्वारा बनाई गई नालियों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। कई स्थानों पर नालियां खुली पड़ी हैं, तो कहीं उनकी स्लैब टूटकर बिखर रही हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों की खराब स्थिति के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बारिश के मौसम में यही नालियां जलभराव और दुर्घटनाओं का कारण बन जाती हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम द्वारा मरम्मत या ढंकने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। खासकर रात के समय खुली नालियां लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक जोखिम में हैं। नागरिकों ने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन नगर निगम की उदासीनता जस की तस बनी हुई है। अब सवाल यह है कि किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा या समय रहते नालियों की मरम्मत कर आम जनता को राहत दी जाएगी?

टेक एजुकेशन मैप पर शहर को मिलेगी नई पहचान

भोपाल में बनेगी देश की सबसे उन्नत नॉलेज और AI सिटी, 3700 एकड़ में होगा विकास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल अब देश के भविष्य के टेक-एजुकेशन मैप पर एक नई पहचान बनाने जा रहा है। राजधानी के भौंरी क्षेत्र में 3700 एकड़ (1500 हेक्टेयर) भूमि पर देश की सबसे उन्नत नॉलेज एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी विकसित की जाएगी। यह प्रोजेक्ट केवल एक एजुकेशन टाउनशिप नहीं होगा, बल्कि रिसर्च, स्टार्टअप्स, इंडस्ट्री और ग्लोबल यूनिवर्सिटीज का एकीकृत इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा, जिससे मध्य प्रदेश को देश का बड़ा ढ्ढ हब बनाने की दिशा में काम होगा। इस परियोजना के लिए 20 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने अर्बन प्लानिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन और डेवलपमेंट के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दाखिल किए हैं। एजेंसी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और फरवरी के अंत तक डेवलपमेंट एजेंसी तय होने की संभावना है।

भौंरी क्षेत्र में पहले से मौजूद है एजुकेशन इको-सिस्टम : देश के कई राज्य जैसे तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र एजुकेशन सिटी की दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन भोपाल की नॉलेज एआई सिटी का कॉन्सेप्ट अलग होगा। भौंरी क्षेत्र में पहले से आईसर

भोपाल, निफ्ट, राष्ट्रीय फॉरेंसिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, अटल बिहारी वाजपेयी पॉलिसी रिसर्च सेंटर, एमपी पुलिस अकादमी और शंकर दयाल शर्मा आयुर्वेदिक इंस्टिट्यूट मौजूद हैं। इसी क्लस्टर में ट्रिपल आईटी कैंपस के निर्माण का प्रस्ताव भी है। इन संस्थानों की मौजूदगी से यहां पहले से एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार है, जहां ढ्ढ, स्पेस टेक, फॉरेंसिक, पब्लिक पॉलिसी, हेल्थ और डिजाइन जैसे क्षेत्रों में साझा रिसर्च की जा सकेगी।

फरवरी के आखिर तक एजेंसी नियुक्त होगी

भोपाल विकास प्राधिकरण ने जमीन की पहचान के बाद ईओआई प्रक्रिया पूरी कर ली है। पहले यह परियोजना 2000 एकड़ में प्रस्तावित थी, जिसे बढ़ाकर अब 3700 एकड़ कर दिया गया है। लक्ष्य है कि वर्ष 2026 में नॉलेज एआई सिटी को धरातल पर उतारने का काम शुरू हो जाए। प्रोजेक्ट के कन्वीनर प्रोफेसर सौरभ दत्ता ने बताया कि इस परियोजना पर पिछले एक वर्ष से योजना बनाई जा रही है। नॉलेज और ढ्ढ सिटी के माध्यम से ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने का लक्ष्य है, जहां शिक्षा के साथ रिसर्च और इंडस्ट्री मिलकर काम करें। यह एक पूरी सिटी होगी, जिसे हायर एजुकेशन के साथ अर्बन डेवलपमेंट, हॉस्पिटल और मेट्रो से भी जोड़ा जाएगा।

राजधानी में 7 से 15 फरवरी तक आदि महोत्सव

देशभर के कारीगरों के 60 स्टॉल बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस स्पर्धाएं भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहरवासियों के लिए फरवरी का दूसरा सप्ताह खास बनने जा रहा है। आदि महोत्सव 2026 के रूप में भोपाल हाट में नौ दिन तक जनजातीय शिल्प, संस्कृति, नृत्य, संगीत और मनोरंजन का बड़ा आयोजन होने जा रहा है। यह महोत्सव 7 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक रोजाना भोपाल हाट में आयोजित होगा, जहां आम लोग सीधे पहुंचकर इन कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ लिमिटेड (ट्राइफेड) के क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित इस राज्य स्तरीय महोत्सव में करीब 60 स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां मध्य प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के जनजातीय कारीगर अपने हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री करेंगे।

यह देखने मिलेगा: महोत्सव में आने वाले लोग एक ही स्थान पर देश के अलग-अलग हिस्सों की जनजातीय कला और संस्कृति को करीब से देख सकेंगे। नागालैंड के नागा शॉल, मेघालय की पारंपरिक साड़ियां, मणिपुर की ब्लैक पॉटरी, असम की एरी सिल्क,लद्दाख की पश्मीना शॉल, राजस्थान की ब्लू पॉटरी, छत्तीसगढ़ की कोसा सिल्क, पश्चिम बंगाल की काथा सिल्क, कर्नाटक की कलमकारी साड़ियां, ओडिशा की सोरा पेंटिंग और महाराष्ट्र की वारली पेंटिंग यहां प्रमुख आकर्षण होंगी।

रोज अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम

महोत्सव का उद्घाटन 07 फरवरी (शनिवार) को होगा। इस दिन दीप प्रज्वलन के बाद जनजातीय लोक नृत्य और लोक संगीत की प्रस्तुतियां होंगी।

08 फरवरी (रविवार)- मध्य प्रदेश सांस्कृतिक दिवस, प्रदेश के जनजातीय सांस्कृतिक दलों द्वारा लोक नृत्य और संगीत

09 फरवरी (सोमवार)- दक्षिण भारत सांस्कृतिक संध्या, दक्षिण भारतीय पारंपरिक नृत्य शैलियों का प्रदर्शन।

10 फरवरी (मंगलवार)- संगीत संध्या, प्रोफेशनल म्यूजिक ग्रुप द्वारा ऑर्केस्ट्रा म्यूजिकल नाइट और कराओके।

12 फरवरी (गुरुवार)- एक बार फिर संगीत संध्या, ऑर्केस्ट्रा म्यूजिकल नाइट और कराओके कार्यक्रम।

13 फरवरी (शुक्रवार)- इंडिया डे, विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और जनजातीय परिधानों में कारीगर प्रतियोगिता।

14 फरवरी (शनिवार)- बाल विशेष कार्यक्रम, आदि चित्र पेंटिंग प्रतियोगिता और आदि फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता।

15 फरवरी (रविवार)- समापन समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताएं

बच्चों के प्रश्नों का कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम ने दिया जवाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कक्षा में बैठे बच्चों ने जब करियर जीवन कौशल और भविष्य की योजना पर खुलकर सवाल पूछे तो मंच से मिले जवाबों ने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी। मौका था विद्यालय की वार्षिक पत्रिका आयाम के विमोचन

समारोह का, जहां शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रही बल्कि जीवन से जुड़ी सीख में बदलती दिखी। सांदीपनी विद्यालय निशातपुरा में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि परीक्षा के अंक महत्वपूर्ण हैं लेकिन समय प्रबंधन, अनुशासन और सही योजना जीवन में आगे बढ़ने की असली कुंजी है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को जीवन में लक्ष्य तय करने, जीवन कौशल सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण करते हुये पुस्तकालय, भाषा प्रयोगशाला, आईसीटी कक्षा, मनोवैज्ञानिक परामर्श कक्ष और करियर मार्गदर्शन से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन भी किया।

पीएसएससीआईवीई में बैठक आयोजित

आज कौशल आधारित शिक्षा अब मुख्य कॅरियर पाथ बन चुकी है : प्राची पांडेय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कौशल शिक्षा अब किसी विकल्प की तरह नहीं बल्कि भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है. यह बात शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव प्राची पांडेय ने पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान भोपाल में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक के उद्घाटन सत्र में कही।

प्राची पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत व्यावसायिक शिक्षा को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। लेकिन बदलती दुनिया और रोजगार की मांगों को देखते हुए अब आजीवन कौशल अधिगम और जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक कक्षाओं से कौशल परिचय, बैगलेस दिवस, उद्योग सहभागिता और करियर मार्गदर्शन जैसे प्रावधान विद्यार्थियों को अनुभव के साथ भविष्य उपयोगी शिक्षा से जोड़ रहे हैं। जिससे आज कौशल आधारित शिक्षा अब मुख्य करियर पथ बन चुकी है। कार्यक्रम में पीएसएससीआईवीई के संयुक्त निदेशक डॉ दीपक पालीवाल ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा विद्यार्थियों को कार्य दुनिया के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभा रही है।

संस्थान समग्र शिक्षा के तहत दक्षता आधारित और अनुभवात्मक अधिगम को मजबूत करने के लिए राज्यों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। वहीं, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सी सी त्रिपाठी ने कहा कि एनईपी 2020 ने व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में रखा है। जिससे अगर विद्यार्थी उच्च शिक्षा तक नहीं पहुंच पाते हैं तो ऐसे में उन्हें रोजगार योग्य और उद्यमशील कौशल देना जरूरी है। प्रोफेसर पी सी अग्रवाल ने कहा कि करियर मार्गदर्शन और दक्षता आधारित शिक्षा से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सकता है। इस अवसर पर पहले दिन कक्षा 6 से 12 तक की कौशल और व्यावसायिक शिक्षा पर गहन चर्चा हुई। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने अनुभव साझा किए। नए जॉब रोल्स उद्योग सहभागिता अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट जैसे विषयों पर विचार हुआ।

एम्स में शोध: स्तन कैंसर की समय पर पहचान चुनौती

32 प्रतिशत मामलों में ही रोग का पता स्टेज दो में चलता है...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान आज भी बड़ी चुनौती बन गई है एम्स के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा किए गए अध्ययन में 60 प्रतिशत महिलाओं में स्तन कैंसर की पहचान स्टेज तीन और चार में होती है, जब रोग काफी बढ़ चुका होता है. देर से इलाज शुरू होने के कारण जीवन बचने की संभावना भी कम होती है। इसके विपरीत केवल लगभग 32 प्रतिशत मामलों में ही रोग का पता स्टेज दो में चल पाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार पहचान प्रारंभिक चरण में हो जाए तो स्तन कैंसर का पूरी तरह उपचार हो सकता है और जीवन बच सकता है। 2022 में दुनिया भर में स्तन कैंसर के करीब 23 लाख नए मामले सामने आए। जिसमें साढ़े 6 लाख महिलाओं की मौत इस बीमारी के कारण हुई। उच्च आय वाले देशों में समय पर जांच और बेहतर इलाज के कारण जीवित रहने की दर 90 प्रतिशत से अधिक है। जबकि भारत में यह दर लगभग 66 प्रतिशत और कुछ संसाधन सीमित देशों में 40 प्रतिशत के आसपास है। देर से निदान और सीमित उपचार सुविधाएं इसका मुख्य कारण मानी जा रही हैं। सामाजिक संकोच बनता है देरी का कारणः डॉक्टरों के अनुसार स्तन या बगल में बिना दर्द की गांठ स्तन के आकार या बनावट में बदलाव, स्तन के अग्र भाग से स्राव, त्वचा में लालिमा या गड्ढा पड़ना और लगातार दर्द जैसे लक्षणों को नजरअंदाज करना घातक है। अधिकतर महिलाएं सामाजिक संकोच और जानकारी की कमी के कारण समय पर डॉक्टर तक नहीं पहुंच पातीं। नतीजा यह होता है कि रोग बढ़ता जाता है।

40 वर्ष के बाद नियमित जांच जरूरी: डॉक्टरों के अनुसार 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को लक्षण न होने पर भी नियमित जांच करानी चाहिए। यदि परिवार में स्तन कैंसर का इतिहास रहा है तो परामर्श के लिए आगे आना चाहिए। एम्स में स्क्रीनिंग कार्यक्रमों के तहत महिलाओं की क्लिनिकल ब्रेस्ट जांच की जाती है। वहीं आवश्यकता होने पर मैमोग्राफी और आगे की चिकित्सीय प्रक्रिया अपनाई जाती है।

मेट्रो एंकर — द रिफ्लेक्शन सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड कल्चर का मंचन

व्यंग नाटक 'यह तो चमत्कार है' का मंचन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

द रिफ्लेक्शन सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड कल्चर भोपाल द्वारा इस हास्य व्यंग नाटक 'यह तो चमत्कार है' का कथानक भी एक चमत्कार है, जिसमें एक परिवार है सास ससुर पति और उसकी पत्नी रिमझिम, रिमझिम ने शादी से पहले ही ससुराल वालों से शर्त रखी थी कि वह शादी के बाद भी पढ़ाई करेगी, जबकि पति बादल भी एक साइंटिस्ट है, जो एक नया परमाणु बम पर शोध कर रहा है। शादी के बाद रिमझिम भी साइंटिस्ट बन जाती है, लेकिन वह परमाणु बम के विपरीत कुछ क्रिएट करना चाहती है. जिस से युद्ध में मानव और मानवता को बचाया जा सके।

अंत में उसको आइडिया मिल जाता है। वह परिवार को बताती है सब उसके विचार से प्रसन्न हो जाते हैं। शोध करती है एक बार फेल भी होती है, मगर एक दिन कामयाब हो जाती है, एक ऐसा बम बनाती है जिसकी गैस का असर केवल कपड़ों पर होता है, कपड़े गल कर गिर जाते हैं। अब पड़ोसी को देश से जंग होती है तो रिमझिम के बनाए बम ही प्रयोग होते है, जिससे सिपाही नंगे हो जाते हैं, आम लोग भी नंगे हो जाते हैं। एक कर्फ्यू सा लग जाता है, और व्यापार आवाजाही सब कुछ बंद हो जाता है पड़ोसी देश हार मान लेता है। सभी कलाकारों ने अपने चरित्रों को साथ पूर्ण न्याय किया है, बादल के रूप में डायमन्ड सोनी, रिमझिम के चरित्र को निभाया है ट्विंकल ने, सास तपस्या तिवारी, ससुर शिशिंद्र, नेता शामिर अली, 15 कलाकारों ने अपने अभिनय से इस नाटक के पहले मंचन को कामयाब किया है।

हरिद्वार संत सम्मेलन, सीएम ने सनातन संस्कृति पर दिया जोर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हरिद्वार में गुरुदेव समाधि मंदिर के मूर्ति स्थापना समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सनातन संस्कृति और आदि शंकराचार्य के योगदान पर जोर दिया। सीएम ने कहा कि सनातन संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आदि शंकराचार्य का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। संत समाज और सरकार मिलकर सनातन संस्कृति की निरंतर धारा को बनाए रखने के लिए कार्य कर रहे हैं। हरिद्वार में स्थापित भारत माता मंदिर समाज और राष्ट्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है।

भोपाल की ज्यूडिशियल एकेडमी में राष्ट्रीय सम्मेलन कल, आएंगे 20 जज

भोपाल। राजधानी की नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में 7 फरवरी से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत भी आएंगे। उनके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से 20 से ज्यादा हाईकोर्ट के जज भी शामिल होंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रित न्यायपालिका पर मंथन किया जाएगा। सीजेआई बनने के बाद जस्टिस सूर्यकांत का यह मप्र का पहला दौरा है। लंबे समय बाद एक साथ इतने बड़े स्तर पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस भोपाल में जुट रहे हैं, जिससे इस सम्मेलन को विशेष महत्व मिल गया है। सम्मेलन की थीम- 'एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका' रखी गई है। इसी विषय पर सीजेआई सूर्यकांत देशभर के जजों को संबोधित करेंगे और हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के साथ न्याय व्यवस्था को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने को लेकर मंथन करेंगे।

नियमों का उल्लंघन करना ठेकेदारों को अब पड़ेगा महंगा

रेत खदान का ठेका बीच में छोड़ा तो भरनी पड़ेगी पेनाल्टी, तीन साल के लिए होंगे ब्लैक लिस्ट भी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अब रेत खदानों के ठेके बीच में छोड़ना या नियमों का उल्लंघन करना ठेकेदारों के लिए महंगा साबित होगा। सरकार ने अब उन ठेकेदारों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, जो ठेका लेकर बीच में ही काम बंद कर देते हैं। नए नियम के अनुसार, टाइम लिमिट से पहले खदान सरेंडर करने पर ठेकेदार से पेनाल्टी भी वसूली जाएगी।

साथ ही यदि कोई माइन डेव्हलपर-कम-ऑपरेटर अपना ठेका बीच में ही सरेंडर करता है, तो उस खदान की जब दोबारा नीलामी होगी तो उसका आधार मूल्य हर साल 10 फीसदी की दर से बढ़ जाएगा। ठेकेदार ने स्वीकृत क्षेत्र से बाहर खुदाई की या समय पर पैसा जमा नहीं किया तो भी भारी पेनाल्टी लगेगी। इसके अलावा गंभीर गलती पाए जाने पर ठेकेदार और उसके पार्टनर को 3 साल के लिए ब्लैक लिस्ट भी कर दिया जाएगा।

राज्य सरकार ने रेत खनन, परिवहन और व्यापार नियम 2019 में बदलाव कर दिया है। खनिज विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, अब रेत खदानों के ठेके बीच में छोड़ना (सरेंडर) या नियमों का उल्लंघन करना ठेकेदारों के लिए महंगा साबित होगा। सरकार ने रेवेन्यू को होने वाले नुकसान और अवैध खनन पर लगाम कसने के लिए इस नियम में बड़े बदलाव किए हैं। सरकार ने अब उन ठेकेदारों पर लगाम लगाने की कोशिश की है जो ठेका लेकर बीच में ही काम बंद कर देते थे। इससे सरकार को करोड़ों का नुकसान घाटा होता था। मध्य प्रदेश में 2023-24 की रेत नीति के अंतर्गत ठेके 5 साल के लिए दिए जाते हैं। साथ ही नर्मदा नदी में मशीनों से रेत खनन पर पूरी तरह प्रतिबंध है। नए नियम के अनुसार, टाइम लिमिट से पहले खदान सरेंडर करने पर ठेकेदार से पेनाल्टी भी वसूली जाएगी।

एक साल से पहले खदान सरेंडर करने पर रोक

नए नियमों के मुताबिक, यदि कोई माइन डेव्हलपर-कम-ऑपरेटर अपना ठेका बीच में ही सरेंडर करता है, तो उस खदान की जब दोबारा नीलामी होगी तो उसका आधार मूल्य हर साल 10 फीसदी की दर से बढ़ जाएगा। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि अगर किसी ने 2023 में 250 रुपए प्रति घनमीटर की दर से ठेका लिया और 2025 में छोड़ा तो नई नीलामी में रेत की शुरुआती कीमत 30 प्रतिशत बढ़कर 325 रुपए प्रति घनमीटर होगी। इससे सरकार को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। नए नियम के मुताबिक, अब ठेकेदार मनमर्जी से जब चाहे ठेका नहीं छोड़ सकेंगे। नए नियम में अनुबंध के पहले एक साल तक खदान सरेंडर करने का आवेदन नहीं दिया जा सकेगा और इस अवधि के बाद अगर ठेकेदार खदान को छोड़ना चाहता है तो उसे इसके लिए 3 महीने पहले लिखित सूचना देनी होगी। नए नियम के अनुसार, अनुबंध खत्म होने की अवधि के 6 माह पहले भी सरेंडर स्वीकार नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह किया गया है कि एक बार सरेंडर का आवेदन देने के बाद उसे वापस नहीं लिया जा सकेगा।

ठेका निरस्त होने पर सिक्योरिटी की रकम होगी राजसात

नए नियम के अनुसार, यदि कोई ठेका निरस्त होता है तो टेकेदार की जमा की गई सुरक्षा राशि (सिक्योरिटी डिपोजिट) को जब्त कर लिया जाएगा और बकाया राशि की वसूली भू-राजस्व की बकाया रकम के तौर पर सख्ती से की जाएगी।

इसके अलावा ठेका हासिल करने वालों को इस नियम में थोड़ी सा राहत मिली है। पहले उसे सात दिनों में सिक्योरिटी डिपोजिट करना होता था लेकिन नए नियम में वह ठोस कारण बताकर 10 दिन का अतिरिक्त समय मांग सकता है। इसके अलावा टेंडर हासिल करने वाले ठेकेदार को बैंक गारंटी की वैधता अवधि देने का समय 180 दिन से बढ़ाकर 240 दिन कर दिया गया है।

नीलामी में नहीं ले सकेंगे हिस्सा

सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर ठेकेदार ने पर्यावरण नियमों का उल्लंघन किया। स्वीकृत क्षेत्र से बाहर खुदाई की या समय पर पैसा जमा नहीं किया तो भी भारी पेनाल्टी लगेगी। इसके अलावा गंभीर गलती पाए जाने पर ठेकेदार और उसके पार्टनर को 3 साल के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। वे विभाग की किसी भी नीलामी में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। नए नियम के अनुसार, खदान के अपसोट प्राइज को लेकर भी बदलाव किया गया है। अब रेत समूह की नीलामी के लिए प्रारंभिक बेस वेल्यू का निर्धारण खदानों में उपलब्ध कुल रेत की मात्रा के 250 गुना के बराबर होगा। हालांकि सरकार मांग के आधार पर इसमें बदलाव करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखेगी।

विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से

दूषित पानी और कफ सीरप से मौतों के मामले में स्थगन प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भले ही 16 फरवरी से प्रारंभ हो रहा विधानसभा का बजट सत्र 12 दिन का है, लेकिन कांग्रेस इसमें भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस बार परंपरागत कानून व्यवस्था, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग पर अत्याचार, भ्रष्टाचार जैसे विषयों से इतर आमजन से सीधे सरोकार रखने वाले विषयों को प्रभावी तरीके से उठाने की तैयारी है।

पहली बार कांग्रेस एकजुटता के साथ इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 32 मौतों को लेकर सड़क पर है। लगातार धरना, प्रदर्शन, आंदोलन हो रहे। अब इस मुद्दे को कांग्रेस विधायक दल विधानसभा में उठाएगा। इसी तरह जहरीले कफ सीरप से छिंदवाड़ा बैतूल और पांढुर्णा में 25 बच्चों की मौत पर जवाब मांगा जाएगा। इन दोनों विषयों पर स्थगन प्रस्ताव लाने की तैयारी है। उधर, पार्टी विधानसभा का घेराव भी कर सकती है। जहरीले कफ सीरप के मामले में चूकने के बाद कांग्रेस ने दूषित जल के मुद्दे पर सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाई है। पार्टी घर-घर से जुड़े इस मामले को पूरे प्रदेश तक ले जाने में सफल रही। अब दारोमदार विधायक दल के ऊपर है कि वह सदन में किस तरह सरकार के ऊपर दबाव बना पाता है। चूंकि, निशाने पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हैं इसलिए सबकी नजर भी कांग्रेस विधायक दल पर रहेगी।

स्थगन प्रस्ताव की ग्राह्यता पर संशय

सूत्रों का कहना है कि बजट सत्र में सामान्यत- स्थगन प्रस्ताव नहीं लिए जाते हैं, इसलिए यह स्वीकार हो या इनकी ग्राह्यता पर चर्चा हो, इसको लेकर संशय है। हालांकि, चर्चा कराने के और भी माध्यम हैं। अब यह कांग्रेस विधायक दल के ऊपर निर्भर करेगा कि वह सरकार पर किस हद तक चर्चा कराने के लिए दबाव बना पाता है।

वहीं, जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सीरप का मामला भी गंभीर है। अब तक छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर असभ्य बयान देने वाले मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अब तक सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है, इसलिए यह भी भाजपा सरकार का बड़ा मुद्दा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विधायक दल की ओर से स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा कराने का दबाव सरकार पर बनाया जाएगा।

पुलिस ने जारी की बचाव की एडवाइजरी

बोर्ड परीक्षाओं से पहले साइबर ठग सक्रिय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा शुरू होने से पहले छात्रों के सामने एक नए तरह का इम्तिहान खड़ा हो गया है। यह परीक्षा क्लासरूम में नहीं, बल्कि इंटरनेट और इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर होगी, जहां पेपरलीक, परीक्षा में नंबर बढ़ाने अथवा प्रवेश पत्र में सुधार कराने के नाम पर साइबर ठगों का जाल सक्रिय हो रहा है। इस खतरे को देखते हुए भोपाल पुलिस ने न केवल कार्रवाई तेज की है, बल्कि छात्रों और अभिभावकों के लिए साइबर एडवाइजरी भी जारी की है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हर साल बोर्ड परीक्षा से ठीक पहले इस तरह की ठगी के मामले सामने आते हैं।

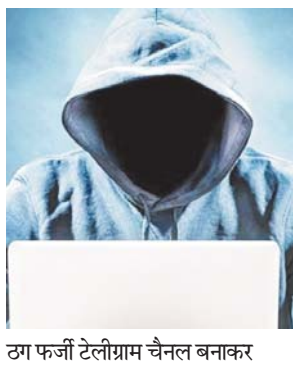

ठग फर्जी टेलीग्राम चैनल बनाकर दावा करते हैं कि उनके पास 10वीं-12वीं के प्रश्नपत्र पहले से उपलब्ध हैं। चैनलों के नाम और प्रोफाइल इस तरह तैयार की जाती हैं, जिससे वे वास्तविक प्रतीत हों।

छात्रों को यह भरोसा दिलाया जाता है कि यह बोर्ड परीक्षा का पेपर है और उन्हें यह व्यक्तिगत रूप से मिल रहा है। इसके बदले उनसे 500 से 2000 रुपये तक ऑनलाइन माध्यम से वसूले जाते हैं। भोपाल पुलिस का कहना है कि यह पूरी तरह फर्जी दावा होता है। न तो कोई पेपर लीक होता है और न ही ठगों के पास प्रश्नपत्र होते हैं। भुगतान के बाद या तो छात्रों को ब्लॉक कर दिया जाता है या फिर उन्हें पुराने वर्षों के पेपर भेज देते हैं।

पुलिस ने साफ कहा है कि यदि कोई व्यक्ति या चैनल प्रश्नपत्र बेचने का दावा करता है, तो उसकी तुरंत शिकायत की जाए। साइबर सेल के एसआई अंकित नायक ने बताया कि बीते दो वर्षों में भोपाल क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ऐसे दो बड़े मामलों का खुलासा कर चुकी है।

ऐसे नेटवर्क से ठगी का जाल

केस-1: छिंदवाड़ा जिले के दमुआ से गिरफ्तार किया गया दीपांशू कोरी नीट की तैयारी कर रहा था और उसने कॉलेज से ड्रॉप लिया हुआ था। उसने टेलीग्राम पर फर्जी पेपरलीक चैनल बनाया, जिसमें एक लाख से अधिक लोग जुड़े थे। जांच में सामने आया कि उसने सैकड़ों छात्रों से ठगी की और 500 से 2000 रुपये तक लेकर पेपर उपलब्ध कराने का दावा करता था।

केस-2: भिंड जिले से पुलिस ने 19 वर्षीय आरोपित शिवम यादव को गिरफ्तार किया था। उसके टेलीग्राम चैनल से 20 हजार से अधिक लोग जुड़े थे। वह बोर्ड परीक्षाओं के पेपर एक हजार रुपये में बेचने का दावा करता था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दूरस्थ क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी को विशेष भत्ता देने का इसी महीने हो सकता है निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की बात कई बार कह चुके हैं, लेकिन इसमें बड़ी चुनौती चिकित्सा शिक्षक (फैकल्टी) के रिक्त पदों को भरना है। इसके लिए सरकार विशेष पहल करने जा रही है। दूरस्थ क्षेत्र के मेडिकल कालेजों में पदस्थ होने वाले फैकल्टी को वेतन-भत्ते में जोड़कर लगभग 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इसके लिए इसी माह कैबिनेट में प्रस्ताव लाने की तैयारी है। स्वास्थ्य विभाग भी देख रहे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को एक बैठक में अधिकारियों को कैबिनेट के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने के लिए कहा है। अब अधिकारी यह मंथन करने में लगे हैं कि दूरस्थ क्षेत्र के लिए मापदंड क्या रखा

जाए। एक अधिकारी के अनुसार इसमें उन जिलों को शामिल किया जा सकता है जो छोटे और पिछड़े हैं और जिनमें आदिवासी विकासखंडों की संख्या अधिक है। इसी वर्ष शुरू हुए सिंगरौली और श्योपुर के मेडिकल कॉलेज भी इसमें सम्मिलित हो सकते हैं। दोनों कॉलेजों में फैकल्टी की स्थिति बहुत खराब है। सिंगरौली में 116 पदों के विरुद्ध मात्र 20 फैकल्टी हैं। लगभग यही स्थिति श्योपुर मेडिकल कॉलेज की है। इन कालेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटें हैं।

सीहोर, बुधनी, दमोह और छतरपुर में मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा प्रस्ताव

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने सीहोर जिले के बुधनी, दमोह और छतरपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को प्रस्ताव भेजा है। इसके अगले सत्र में पांच कॉलेज और प्रारंभ करने की योजना है। सभी जगह फैकल्टी की भर्ती चुनौती होगी। बता दें, प्रदेश के सभी 19 शासकीय मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर फैकल्टी के 50 प्रतिशत ही कार्यरत हैं। फैकल्टी की कमी से भावी डाक्टरों की पढ़ाई तो प्रभावित होती ही है, रोगियों को समय पर और सभी विशेषज्ञता में उपचार भी नहीं मिल पाता है।

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेंगे 50 हजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर अधिकतम 50 हजार रूपए का ईनाम दिया जाएगा। प्रोत?साहन राशि 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रूपए का भुगतान पूर्ण वसूली उपरांत किया जाएगा।

कंपनी ने कहा है कि प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचना देने वाले को दी जाने वाली 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि में से योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा

बाकि 5 प्रतिशत राशि का भुगतान पूर्ण वसूली उपरांत किया जा रहा है। कंपनी ने बताया कि इस योजना में 01 अप्रैल 2025 से अब तक 167 सफल सूचना देने वालों को 02 लाख 06 हजार हजार रुपये सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराए गए हैं। साथ ही जांच एवं वसूली की कार्यवाही करने वाले संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी 3000 रुपये प्रोत?साहन राशि का भुगतान उनके मासिक वेतन में जोड़कर किया गया है।

मेट्रो एंकर | आर्थिक राजधानी में आयोजित होगा जात्रा-2026

ट्राइबल फाउंडेशन द्वारा चुनिंदा पिथोरा पेंटिंग्स का होगा प्रदर्शन

इंदौर, दोपहर मेट्रो

कुछ कलाएँ देखने के लिए नहीं, महसूस करने के लिए होती हैं। पिथोरा भी ऐसी ही एक कला है, जो रंगों से ज्यादा विश्वास, रेखाओं से ज्यादा रिश्तों और चित्रों से ज्यादा जीवन का ताना-बाना बुनती है। मध्य प्रदेश के धार, झाबुआ और अलीराजपुर के आदिवासी अंचलों में जन्मी यह लोककला अब पहली बार इंदौर शहर को अपने करीब बुला रही है। इस सांस्कृतिक संवाद को जीवंत रूप देने जा रही है ट्राइबल फाउंडेशन द्वारा स्थापित पिथोरा आर्ट गैलरी, जो %जात्रा-2026% के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत की जाएगी।

जनजातीय सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में 20 से 22 फरवरी, 2026 तक इंदौर के ऐतिहासिक गांधी हॉल परिसर में आयोजित होने वाले इस आयोजन में ट्राइबल फाउंडेशन द्वारा 25 से अधिक चुनिंदा पिथोरा पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया जाएगा।

परिधानों के स्टॉल होंगे आकर्षण का केन्द्र

%जात्रा-2026% में पिथोरा आर्ट गैलरी के साथ-साथ आदिवासी कलाकारों की कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी, जनजातीय समाज के पारंपरिक व्यंजनों के विशेष स्टॉल, विभिन्न अंचलों के जनजातीय एवं लोक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ, भगोरिया पर्व पर आधारित फोटोग्राफी प्रदर्शनी तथा जनजातीय साहित्य और पारंपरिक परिधानों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र होंगे। लेकिन पूरे आयोजन की आत्मा के रूप में ट्राइबल फाउंडेशन द्वारा सृजित पिथोरा आर्ट गैलरी अपनी शांति, गहराई और भावनात्मक प्रभाव के साथ दर्शकों को ठहरकर सोचने के लिए विवश करेगी।

इनमें आदिवासी जीवन, आस्था और प्रकृति से जुड़े भाव सजीव रूप में उभरकर आएँगे। पिथोरा कोई सजावटी चित्रकला नहीं है। यह आदिवासी समाज की सामूहिक स्मृति है, उनकी आस्था है और सबसे विशेष, प्रकृति के साथ उनके रिश्ते की जीवित अभिव्यक्ति है। परंपरागत रूप से पिथोरा चित्र घरों की दीवारों पर तब बनाए जाते हैं, जब परिवार सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य या किसी मन्नत के पूरा होने पर देवताओं को धन्यवाद देना चाहता है। यह कला किसी एक कलाकार की नहीं होती, बल्कि पूरे समुदाय की भागीदारी से जन्म लेती है।

जनजातीय सामाजिक सेवा समिति के अध्यक्ष देवकीनंदन तिवारी ने कहा, ÷पिथोरा चित्रों में घोड़े, सूर्य, चंद्रमा, पेड़, जानवर, खेत, उत्सव और देवी-देवताओं की आकृतियाँ दिखाई देती हैं। हर रंग, हर रेखा और हर प्रतीक का अपना एक अर्थ होता है। ये चित्र बताते हैं कि आदिवासी जीवन में प्रकृति सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा है। ट्राइबल फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत की जा रही यह पिथोरा गैलरी दर्शकों को कुछ क्षणों के लिए आधुनिक शहर से निकालकर जंगल, मिट्टी और लोकविश्वास की दुनिया में ले जाएगी। जनजातीय सामाजिक सेवा समिति के कोषाध्यक्ष गिरीश चव्हाण ने कहा, ÷यह गैलरी सिर्फ चित्रों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि शहर और आदिवासी संस्कृति के बीच एक जीवंत संवाद होगी।

ब्रेन ड्रेन की चिंता

भारत आज जिस आत्मविश्वास के साथ स्वयं को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताता है, उसी समय एक असहज सवाल भी उसके साथ खड़ा हो जाता है– अगर देश इतना ही आगे बढ़ रहा है, तो फिर हर साल लाखों भारतीय उसे छोड़कर क्यों जा रहे हैं? यह सवाल भावनात्मक नहीं, बल्कि नीतिगत और आत्ममंथन का है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नागरिकता त्यागने वालों की संख्या जिस तेजी से बढ़ी है, वह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह उस असंतुलन की ओर इशारा करता है, जहां मैक्रो इकॉनॉमी की चमक माइक्रो रियलिटी से मेल नहीं खा पा रही। जीडीपी के बड़े आंकड़े भले ही गर्व का विषय हों, लेकिन प्रति व्यक्ति आय, जीवन गुणवत्ता और सामाजिक सुरक्षा जैसे पैमाने आज भी भारत को पीछे खींचते हैं। असल समस्या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता है। देश के चुनिंदा शहरी केंद्रों में ही बेहतर करियर की संभावनाएं सिमट गई हैं, और वहीं जीवन को बोझिल बना देने वाली समस्याएं भी सबसे अधिक हैं। प्रदूषित हवा, जाम से भरी सड़कें, कमजोर सार्वजनिक परिवहन और बुनियादी सुविधाओं पर बढ़ता दबाव- ये सब मिलकर युवाओं के सपनों को धीरे-धीरे विदेश की उड़ान की ओर मोड़ देते हैं। तकनीकी और पेशेवर वर्ग का विदेश जाना केवल बेहतर वेतन की चाह नहीं है। यह सम्मान, कार्य-संस्कृति, सुरक्षित माहौल और भविष्य की स्पष्टता की तलाश भी है। जब विकसित देश नागरिकता के साथ स्थिरता, सामाजिक सुरक्षा और वैश्विक गतिशीलता देते हैं, तो भारतीय पासपोर्ट की सीमाएं और दोहरी नागरिकता का अभाव एक व्यावहारिक बाधा बन जाता है। विडंबना यह है कि अधिकांश भारतीय विदेश जाकर भी भारत से भावनात्मक रूप से जुड़े रहना चाहते हैं। लेकिन जब करियर और जीवन की शर्तें नागरिकता से जुड़ जाती हैं, तब विकल्प सीमित हो जाते हैं। यह मजबूरी धीरे-धीरे एक स्थायी प्रवृत्ति का रूप ले लेती है, जिसे हम 'ब्रेन-ड्रेन' कहकर संतोष कर लेते हैं। असल सवाल यह नहीं है कि लोग क्यों जा रहे हैं, बल्कि यह है कि क्या हम उनके रुकने लायक माहौल बना पा रहे हैं? क्या हमारी शहरी योजनाएं, रोजगार नीतियां और सामाजिक ढांचा उस प्रतिभा को सम्मान दे पा रहा है, जिसे दुनिया हाथों-हाथ लेने को तैयार है? अगर भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं, बल्कि मानवीय अवसरों की भी महाशक्ति बनना है, तो उसे यह स्वीकार करना होगा कि विकास का मतलब सिर्फ ऊंची रैंकिंग नहीं, बल्कि बेहतर जीवन है। वरना ऐसा न हो कि तरक्की की दौड़ में देश आगे बढ़ता रहे और उसे आगे ले जाने वाले दिमाग पीछे छूटते चले जाएं।

2025 में ट्रंप की वापसी के बाद

अमेरिका को पछाड़कर भारत 'विश्व गुरु' बनने की ओर – बधाइयां?

राजीव खंडेलवाल
सलाहकार एवं पूर्व बैतूल नगर सुधार न्यास अध्यक्ष

लंबे समय से लंबित भारत-अमेरिका ट्रेड डील (व्यापारिक अनुबंध) की घोषणा अंततः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए जाने के साथ ही, भारत के ''विश्व गुरु'' बनने पर मानो अंतरराष्ट्रीय मुहर लग गई हो। इस तथ्य को समझने के लिए आवश्यक है कि वर्ष 2025 में ट्रंप के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद से अब तक भारत-अमेरिका व्यापारिक नीतियों के संबंध में घटित घटनाओं का विश्लेषण करें। पिछले लगभग एक वर्ष में कम से कम दो ऐसे बड़े नीतिगत निर्णय सामने आए हैं, जिनकी घोषणा भारत सरकार से पहले स्वयं अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व मंच पर 'सर सलामत तो पगड़ी हज़ार' की तर्ज़ पर की।

प्रमुख निर्णय, जिनकी घोषणा भारत से पहले ट्रंप ने की।

1. 10 मई 2025 — ''ऑपरेशन सिंदूर' और भारत-पाक युद्धविराम: भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा किया कि उन्होंने ट्रेड व टैरिफ दबाव के माध्यम से दोनों देशों के बीच सीज़फायर करवाया। भारत सरकार ने इसे स्पष्ट रूप से द्विपक्षीय निर्णय बताया, जो भारत की पाकिस्तान के संबंध में दीर्घकालिक विदेश नीति के अनुरूप था–'किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप अस्वीकार्य''। किन्तु तथ्य यह भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'अपने मुंह मियां मिट्ठू बनते हुए' अपने उक्त दावे को 83 बार दोहराया और प्रधानमंत्री मोदी के मुख से ट्रंप के उक्त बार-बार दोहराए जाने वाले 'दावे' पर एक बार भी स्पष्ट 'प्रतिवाद' सामने नहीं आया।

2. 2 फ़रवरी 2026 — भारत-अमेरिका ट्रेड डील की घोषणा: राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' ट्रुथ (Truth) ' पर घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद उनके अनुरोध पर अमेरिका ने भारत-अमेरिका ट्रेड पर सहमति दी है।

ट्रंप के अनुसार: भारत पर अमेरिकी टैरिफ 50% से घटाकर 18%, तत्काल प्रभाव से करेगा। चूंकि 'घोड़ा घास से यारी तो कर नहीं सकता' बदले में भारत रूसी तेल खरीद बंद करेगा व अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। साथ ही 500 बिलियन डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा। भारत अपने टैरिफ/बैरियर लगभग शून्य करेगा। इसके बाद भारत की ओर से ट्रेड डील की बात तो स्वीकार की गई, किंतु–केवल टैरिफ घटने की पुष्टि के साथ। लेकिन अन्य शर्तों पर मौन? अभी तक अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड व्यापार अतिशेष (212 बिलियन डालर) रहा। जो कि विश्व के किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक है। लेकिन यदि 500 बिलियन का अमेरिका उत्पाद भारत खरीदेगा तो वह ऋणात्मक होकर व्यापार घाटे में सरप्लस परिवर्तित हो जायेगा।

एक तथ्यात्मक प्रश्न यह भी है कि टैरिफ 50% से घटाकर 18% एक उपलब्धि है, तो अमेरिका के साथ 'ट्रेड वार' चालू होने के पहले जो टैरिफ मात्र 3.3% था, वह बढ़कर अब 18% हो गया है। इसके लिए 'उत्सव' मनाना कितना औचित्य है? वह भी जब डील पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, (पीयूष गोयल के अनुसार,) सोवियत रूस से 'सस्ता तेल हमको रुपए में' मिलता है। यदि यह मान भी लिया जाए कि भारत ने रूस से तेल कम खरीदीने की बात को नहीं स्वीकारा है, तब भी दिसंबर में 38% खरीदी कम होने का कोई कारण सरकार ने नहीं बतलाया है। क्योंकि रूस ने तो तेल सप्लाई करने से मना कभी किया नहीं?

माय डियर फ्रेंड की कूटनीति। एक सफल एक असफल?: राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को हमेशा की तरह 'महानतम दोस्तों में से एक' बतलाते हुए कहा कि 'मोदी के अनुरोध पर ही उन्होंने यह डील तुरंत मंजूर की'। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप को '' मेरे प्रिय मित्र'' कहकर इस ट्रेड डील के लिए धन्यवाद दिया। दुर्भाग्यवश यह तथाकथित मित्रता अब केवल एक तरफा होकर व्यक्तिगत नहीं, बल्कि भारत के हितों के विरुद्ध नीतिगत घोषणा-प्रणाली का रूप ले चुकी है। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 महीनों में ट्रंप को सोशल मीडिया 'एक्स' प्लेटफार्म के द्वारा मैसेज न भेजे हों? कम से कम 5-6 बार मैसेज किया और 'माय फ्रेंड' या 'डिअर फ्रेंड' कहकर 'थैंक यू' ही कहा। हमेशा सकारात्मक दोस्ताना और सहयोग पर ही फोकस किया। अक्टूबर 2025 में 'गांजा पीस प्लान' की सफलता पर बधाई दी। परंतु लगातार देश के अपमान करने वाली बातों पर कभी भी उन्होंने ट्रंप को एक शब्द नहीं कहा। 'धन्यवाद ट्रंप?' विश्व की हर समस्या का इलाज करने वाले 'डॉक्टर ट्रंप' को इस बात का धन्यवाद तो दिया ही जाना चाहिए कि उन्होंने गर्भस्थ शिशु का 'लिंग' तो बता ही दिया–भले ही भारत में लिंग-जांच पर कानूनी प्रतिबंध हो! परंतु 'बच्चा' सुंदर है या नहीं, यह तो नौ महीने बाद ही पता चलेगा? पूर्व में ट्रंप पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सख्त वार्ताकार निगोशिएट का प्रमाण पत्र देने के अनुसार ही मोदी द्वारा टैरिफ 50% से घटाकर 18 % कर देने के बावजूद विपक्ष की 'सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम-लट्ठा' रूपी पौ-चिल्लाहट का अर्थ क्या है? भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का कथन है कि मार्च 2026 तक अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। मतलब ट्रेड डील अंतिम रूप से फाइनल नहीं हुई है। जब तक डील सार्वजनिक होकर हस्ताक्षरित होकर समस्त शर्तें सार्वजनिक नहीं हो जाती, तब तक हंगामे का क्या औचित्य? पीयूष गोयल ने इसे श्रेष्ठ डील बताया जहां दोनों देश ने अपने हितों की रक्षा की है तथापि डेयरी सेक्टर के हितों से कोई समझौता नहीं किया है।

क्या भारत वास्तव में 'विश्व गुरु' बन गया है?: इतिहास याद कीजिए! 'राजतंत्र' के दौर में राजा स्वयं नीतियों की घोषणा नहीं करता था; घोषणा करता था उसका 'मंत्री' आज वही परंपरा आधुनिक भारत ने अपना ली है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति ट्रंप को अपने 'अधीनस्थ मानकर' मोदी भारत-अमेरिका व्यापार नीतियों की घोषणा ट्रंप से राजा महाराजाओं के मंत्री समान करवा रहे हैं। भारत के निर्णयों की घोषणा भारत से पहले ट्रंप पहले कर रहे हैं। मुद्दई सुस्त गवाह चुस्त' पुष्टि भारत बाद में कर रहा है। अथवा चुप रहता है। क्या यह संकेत नहीं कि अब अमेरिका 'घोषक' है और भारत 'निर्णायक'?

'पहले ट्रंप, फिर भारत – कुछ और उदाहरण'

1. 13 फ़रवरी 2025 व्हाइट हाउस में मोदी-ट्रंप बैठक
- U.S.-India COMPACT for the wvst Century
- रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी सहयोग
- मिशन -500 (2030 तक 500 बिलियन व्यापार लक्ष्य)

2. 31 जनवरी 2026 ट्रंप के बयान भारत ईरान/रूस के बजाय अमेरिका/वेनेजुएला से तेल खरीदेगा: बीते एक वर्ष में–ट्रंप बार-बार भारत से जुड़े निर्णयों की घोषणा करते रहे। 'मैं चाहे ये करूं, मैं चाहूं वो करूं ,मेरी अपनी मर्जी' (गोविंदा की गैंबलर फिल्म का मशहूर गाना) की तर्ज पर करते रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक वर्ष में ट्रंप की किसी घोषणा का कोई प्रतिकार नहीं किया। भारत की संप्रभुता, अखंडता व स्वाभीमान को अपमानित करने वाले कथनों को न तो सार्वजनिक खंडन किया न ही मित्रता की मर्यादा का हवाला देकर आपत्ति दर्ज की। जबकि छोटे-छोटे, कनाडा, डेनमार्क, नार्वे, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, कंबोडिया जैसे देशों ने भी ट्रंप को खरी-खरी सुनाई और अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा की।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बच्चों को घेरता ऑनलाइन गेमिंग का जाल मनोरंजन से लत और लत से त्रासदी तक

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की सामूहिक आत्महत्या की खबर केवल एक अपराध समाचार नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे भयावह सामाजिक सच्चाइयों में से एक का आईना है। नौवीं मंज़िल से कूदकर जान देने की यह घटना दिल दहला देने वाली है क्योंकि इसके पीछे कोई तात्कालिक झगड़ा, आर्थिक तंगी या पारिवारिक हिंसा नहीं बल्कि एक ऐसी अदृश्य दुनिया है, जो चुपचाप बच्चों के मन-मस्तिष्क पर कब्ज़ा कर रही है- ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों की दुनिया को समझ पा रहे हैं या हम उन्हें मोबाइल स्क्रीन के हवाले कर निश्चिंत हो बैठे हैं।

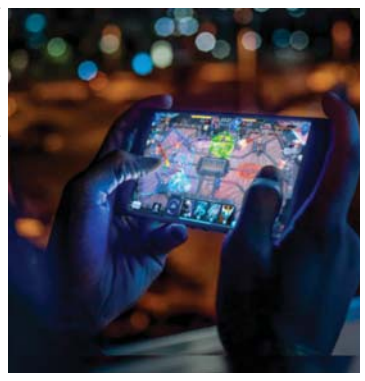

डिजिटल युग में तकनीक जीवन को आसान बनाने का माध्यम बनी है लेकिन उसी तकनीक का अनियंत्रित उपयोग अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग, जो कभी मनोरंजन, एकाग्रता और रणनीतिक सोच का साधन मानी जाती थी, आज कई मामलों में बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विनाश का कारण बन रही है। खासकर कोरोना काल के बाद, जब ऑनलाइन शिक्षा और घर में बंद जीवन ने बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट के और अधिक करीब कर दिया, तब से यह समस्या और गहराई है।

ऑनलाइन गेम्स का मनोविज्ञान बेहद चालाकी से तैयार किया गया है। गेम डिज़ाइनर बच्चों की मानसिक संरचना को समझते हैं- इनाम, लेवल, रैंकिंग, वर्चुअल पहचान, और प्रतिस्पर्धा के ज़रिए उन्हें इस तरह बांधा जाता है कि वे बार-बार उसी दुनिया में लौटें। धीरे-धीरे खेल खेलना एक आदत बनता है, फिर ज़रूरत, और अंततः लत। यह लत शराब या नशे से कम खतरनाक नहीं होती क्योंकि इसमें शरीर नहीं, दिमाग़ जकड़ा जाता है। बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है- उसे परिवार बोझ लगने लगता है, पढ़ाई व्यर्थ लगती है और जीवन के छोटे-छोटे सुख फीके पड़ जाते हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस लत के शिकार अधिकतर बच्चे और किशोर होते हैं- वही उम्र, जब व्यक्तित्व निर्माण होता है, भावनात्मक संतुलन विकसित होता है और जीवन को समझने की प्रक्रिया चल रही होती है। इस उम्र में यदि बच्चा आभासी दुनिया में जीने लगे, तो उसकी वास्तविक समस्याओं से जूझने की क्षमता कमजोर हो जाती है। हार-जीत, तनाव, असफलता और रिश्तों की जटिलता से निपटने के बजाय वह 'एस्केप' खोजने लगता है–और ऑनलाइन गेम्स उसे यह आसान पलायन उपलब्ध कराते हैं। गाजियाबाद की घटना में यह तथ्य और अधिक विचलित करता है कि बच्चियाँ दो साल से स्कूल नहीं जा रही थीं और मोबाइल की लत का ज़िक्र सामने आया है। यह सवाल उठता है कि क्या परिवार, स्कूल और समाज- तीनों स्तरों पर निगरानी और संवाद की कमी रही? आज के समय में बच्चों का स्कूल न जाना केवल शैक्षणिक समस्या नहीं बल्कि एक गहरी सामाजिक और मानसिक समस्या का संकेत है। स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होते बल्कि बच्चों के लिए सामाजिक संपर्क, भावनात्मक सहारा और संरचना प्रदान करते हैं। जब बच्चा इससे कट जाता है, तो वह अपने भीतर सिमटने लगता है।

अक्सर अभिभावक यह मान लेते हैं कि बच्चा घर में है, मोबाइल हाथ में है, तो सुरक्षित है। यही सबसे बड़ा भ्रम है। मोबाइल आज केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि एक पूरी दुनिया है–जिसमें अच्छा भी है और बेहद खतरनाक भी। अभिभावकों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और 'डिजिटल ही भविष्य है' जैसी सोच ने बच्चों को समय से पहले एक ऐसे संसार में धकेल दिया है, जिसे वे न समझ पाते हैं और न संभाल पाते हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद का अभाव इस खतरे को और बढ़ा देता है। यह भी एक सच्चाई है कि भारतीय समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। बच्चे चुप हैं, अकेले हैं, चिड़चिड़े हैं या अपने कमरे में बंद रहते हैं तो इसे 'उम्र का असर' कहकर टाल दिया जाता है। आत्मघाती विचार, अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बात करना अब भी कई परिवारों में वर्जित माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि समय रहते की गई एक संवेदनशील बातचीत कई जिंदगियाँ बचा सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। अत्यधिक गेमिंग से बच्चों में हिंसक व्यवहार, आक्रामकता, सहानुभूति की कमी और सामाजिक रिश्तों से दूरी बढ़ती है। आभासी जीत उन्हें वास्तविक परिश्रम से दूर कर देती है। जब वास्तविक जीवन में चुनौतियां आती हैं, तो वे टूट जाते हैं, क्योंकि उन्होंने संघर्ष करना सीखा ही नहीं होता। यही टूटन कई बार आत्मघाती कदम का कारण बनती है। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर ऑनलाइन गेम या हर तकनीकी का उपयोग बुरा है। समस्या तकनीक में नहीं, उसके अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदार उपयोग में है। यदि बच्चे सीमित समय के लिए उम्र के अनुरूप और अभिभावकों की निगरानी में गेम खेलें तो यह मनोरंजन और सीख का साधन भी हो सकता है। लेकिन जब गेमिंग जीवन का केंद्र बन जाए, तो खतरे की घंटी बज जानी चाहिए। समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्दी टिप्स

बालों की लंबाई बढ़ाएगा प्याज से बना घरेलू शैम्पू, झड़ना भी होगा कम

प्याज बालों के लिए कितनी फायदेमंद है , यह सभी को पता नहीं होता। बाजार में बिकने वाले ऐसे बहुत से प्रोडक्ट्स हैं जिनमें प्याज का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों का ऐसा मानना है कि बालों को मजबूती देने और हेल्दी बनाने के लिए प्याज फायदेमंद होती है। हालांकि, अगर आपको इसका सही से इस्तेमाल करना नहीं आता है, तो यूएसए की कंटेंट क्रिएटर बेहेश्ते सादेघी के बताए प्याज वाले नुस्खे का इस्तेमाल करके देख सकते हैं। इस नुस्खे में उन्होंने प्याज और रोजमेरी की पत्तियों से शैंपू तैयार किया है।

प्याज का कई हेयर प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें सल्फर, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज होती हैं, जो बालों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। इससे स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ती है और बालों को मजबूती मिलती है। प्याज हेयर ग्रोथ को बढ़ावा देती है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से बचाने में मदद करती है।

प्याज का शैंपू बनाने के लिए प्याज,रोजमेरी की पत्तियां,ग्लिसरीन और कोई भी शैंपू ले सकते हैं। सबसे पहले प्याज को छीलकर 4 हिस्सों में काट लेना है। अब इस कटे हुए प्याज और रोजमेरी की पत्तियों को मिक्सी में डालकर पीस लेना है।

इस पिसे हुए पेस्ट को एक कपड़े पर निकाल लेना है। अब पेस्ट को दबाते-दबाते रस को निकाल लेना है। आखिर में आपको इस रस में अपनी पसंद के किसी भी शैंपू और ग्लिसरीन को मिला लेना है। बेहेश्ते सादेघी ने अपनी वीडियो में बताया है कि इस शैंपू का सही इस्तेमाल करने के लिए आपको जब भी सिर धोना हो, इसी शैंपू का इस्तेमाल करें।आप चाहें, तो इस शैंपू को आधे घंटे सिर में लगाकर रख सकते हैं। उसके बाद अपने बालों को धो लें। इस तरह से आपके बाल मजबूत, घने, लंबे और शाइनी नजर आ सकते हैं।

लाल प्याज और रोजमेरी से बना नेचुरल और घरेलू शैंपू बालों की लंबाई को बढ़ावा देता है। इससे बालों का झड़ना कम हो सकता है, डैंड्रफ में कमी आ सकती है और बालों की चमक बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके साथ ही, थोड़ी सी ग्लिसरीन प्याज की गंध को कम करने में मदद कर सकती है।

सुविचार

भूख के समान
कोई दूसरा शत्रु नहीं है।
–अज्ञात

निशाना

मुस्कानें चिपकी चेहरों पे...!

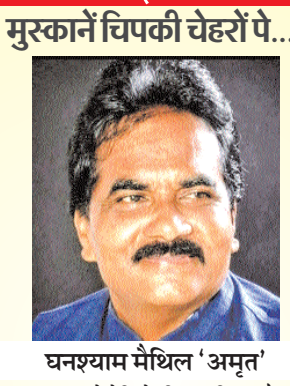

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हर वाद में देखिये, कितना विवाद है
है गर कहीं नहीं तो, वो अपवाद है।
मुस्कानें चिपकी हैं। सब चेहरों पे देखिये
ह्रदय में अंदर झाँकिये, कितना विषाद है।
हो घुट रहे तुम क्यों अंदर,बात को लेकर
हर बात का हल। दोस्तों, यहाँ संवाद है।
बदले नहीं फल फूल कुछ,बदला है आदमी
नाहक कह रहे हैं लोग, सब कुछ बेस्वाद है।
बैठे हैं प्रभु राम जी, गंगा के किनारे
जो नैया लगाए पार ,वो कहाँ निषाद है।
सच का सफर कठिन भले, पर सफर तो है,
इसका अपना शान भरा, अलग ही नाद है।
अपने स्वार्थ के लिये नहीं,इस मुल्क से खेलो
'अमृत' की आप से, महज इतनी फरियाद है।

इनोवेशन

चीन में बना दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला इंसानी रोबोट, 1 सेकंड में 10 मीटर भागने वाली मशीन

चीन की एक रोबोट कंपनी मिररमी (MirrorMe) टेक्नोलॉजी ने दावा किया है कि उसका बोल्ट (Bolt) नाम का इंसानी रोबोट दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला रोबोट है। यहां इंसानी रोबोट से मतलब उन ह्यूमनॉइड रोबोट से है, जो आम इंसान की तरह दो पैरों पर चल सकते हैं। मिररमी टेक्नोलॉजी का कहना है कि बोल्ट महज एक सेकंड में 10 मीटर का फासला तय कर लेता है। 75 किलो वजन वाले इस रोबोट की लंबाई 5 फुट 7 इंच है।

मिररमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया है। इस दिखाया गया है कि जब इंसान और रोबोट के बीच रेस हुई तो इंसान दौड़ते-दौड़ते लड़खड़ाकर गिर गया, जबकि बोल्ट ने ऐसी तेजी दिखाई कि वह 1 सेकंड में 10 मीटर की दूरी को पार कर गया। बोल्ट की यह काबिलियत उसे बाकी रोबोटों से भीड़ में अलग खड़ा करती है।

यह 10 मीटर प्रति सेकंड की टॉप स्पीड से दौड़ सकता है।टेस्ट के दौरान रोबोट ने इंसान को पीछे छोड़ दिया। बोल्ट का वजन 75 किलो और लंबाई 5 फुट 7 इंच है। इसकी चाल इंसानों जैसी है। यह अपना बैलेंस बनाए रखने के लिए हाथ और सिर को हिलाता-डुलाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मिररमी ने बोल्ट को इसलिए बनाया है क्योंकि कंपनी सिर्फ रोबोट नहीं बल्कि सुपर रोबोट बनाना चाहती है। वह ऐसे रोबोट तैयार करना चाहती है जो खेलकूद में इंसानों जैसा या उससे भी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करके दें। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर जो वीडियो शेयर किया गया है, उसमें रोबोट के साथ ट्रेडमिल पर दौड़ने वाले शख्स कंपनी के मालिक हैं।

ये रोबोट बना चुके रिकॉर्ड: मिररमी का ही एक अन्य रोबोट Black Panther II अतीत में 100 मीटर की दौड़ महज 13.17 सेकंड में पूरा कर चुका है। जानी मानी कंपनी बोस्टन डायनेमिक्स के रोबोट को भी इतनी स्पीड हासिल नहीं हुई है। माना जा रहा है कि बोल्ट जैसे रोबोट भविष्य में एथलीटों की प्रैक्टिस में मदद कर सकते हैं। हालांकि इस स्टोरी में खास बात है यह है कि बोल्ट को अभी लैब में टेस्ट किया गया है। असल हालात में वह कितनी रफ्तार पकड़ पाता है, यह देखने वाली बात होगी।

दुनिया के पहले ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन चीन में पिछले साल किया गया था। वहां Tien Kung नाम के ह्यूमनॉइड रोबोट ने 100 मीटर रेस 21.5 सेकंड में पूरी की थी। मिररमी बहुत पुरानी कंपनी नहीं है। इसकी स्थापना 2024 में हुई थी। हेडक्वॉर्टर शंघाई में है। Zhejiang यूनिवर्सिटी इसकी कोर टीम में शामिल है। कंपनी पास बाओबाओ, अपोलो और ब्लैक पैंथर II जैसे रोबोट हैं। हालांकि अभी कोई भी कमर्शल इस्तेमाल के लिए नहीं है। ?

AI अपडेट

DNA पढ़कर बीमारी बताएगा Google का नया AI, कैंसर की असली वजह पता लगाई

AlphaGenome ऐसा AI मॉडल है जो DNA की लंबी-लंबी सीक्वेंस को आसानी से पढ़कर बीमारियों का लगभग सटीक अंदाजा लगा लेता है।

गूगल ने एक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) मॉडल बनाया है, जो DNA में हुए हर बदलाव को समझकर बता सकता है कि उसका असर हमारे शरीर पर क्या होगा। आसान तरीके से कहे तो यह मॉडल DNA को ऐसे पढ़ता है, जैसे कोई एक्सपर्ट डॉक्टर MRI या CT Scan और ब्लड रिपोर्ट एक साथ देखकर बीमारी का अनुमान लगाता है। गूगल के मुताबिक, AlphaGenome ऐसा AI मॉडल है जो DNA की लंबी-लंबी सीक्वेंस को आसानी से पढ़कर बीमारियों का लगभग सटीक अंदाजा लगा लेता है। हमारे शरीर की हर कोशिका में एक खास किताब होती है, जिसे जीनोम (Genome) कहते है। इसी में यह जानकारी होती है कि हम कैसे दिखेंगे, हमारा शरीर कैसे काम करेगा और हमें किन बीमारियों का खतरा हो सकता है। यह किताब DNA की भाषा में लिखी होती है, जिसमें करोड़ों अक्षर होते हैं।

समस्या तब आती है जब DNA के किसी एक अक्षर में छोटा-सा बदलाव हो जाए, क्योंकि यही बदलाव कई बार गंभीर बीमारी की वजह बन सकता है। अब तक यह समझना वैज्ञानिकों के लिए बेहद मुश्किल था कि ऐसे बदलाव का शरीर पर क्या असर पड़ेगा। इस चुनौती को AlphaGenome आसान करता है।

गूगल का यह मॉडल एक बार में 10 लाख DNA पढ़ सकता है और यह अनुमान लगा सकता है कि कौन सा जीन कहां से शुरू होता है, कहां खत्म होता है, कितना RNA बनेगा, कौन सा हिस्सा एक्टिव रहेगा और कौन सा हिस्सा किसी प्रोटीन से जुड़ेगा। अब तक जो AI मॉडल थे, वे या तो DNA का छोटा हिस्सा बहुत गहराई से देखते थे या बड़ा हिस्सा बहुत मोटे तौर पर समझ पाते थे। AlphaGenome पहली बार दोनों काम एक साथ करता है। यह बहुत लंबा DNA भी पढ़ता है और हर एक DNA को बारीकी से समझता भी है।

बीमारी समझने में कैसे मदद करेगा?: मान लीजिए, किसी इंसान के DNA में एक अक्षर बदल गया और A की जगह T आ गया। डॉक्टर को यह जानना है कि क्या इससे कोई जीन ज्यादा एक्टिव हो जाएगा? क्या गलत RNA बनेगा? क्या कैंसर या कोई जेनेटिक बीमारी शुरू हो सकती है? AlphaGenome ऐसे बदलाव को एक सेकंड में स्कोर कर सकता है और बता सकता है कि यह बदलाव कितना खतरनाक हो सकता है। वैज्ञानिकों ने इसका इस्तेमाल कैंसर से जुड़े एक उदाहरण में किया। एक तरह के ब्लड कैंसर (T-ALL) में DNA के कुछ खास हिस्सों में बदलाव पाए गए थे।

न्यूज विंडो

सांसद की अपील: आवारा पशुओं से दुर्घटनाओं पर पांच सूत्रीय रोडमैप पेश

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया संसद में मध्य प्रदेश की सड़कों को जीरो एक्सीडेंट जोन बनाने के लिए आवारा पशुओं से जुड़ी दुर्घटनाओं का मुद्दा बुलंद किया। पुलिस रिकॉर्ड के हवाले से उन्होंने बताया कि पिछले दो सालों में प्रदेश में ये पशु सड़क हादसों का प्रमुख कारण बने हैं। श्रीमती नारोलिया ने समस्या के साथ-साथ सड़क परिवहन मंत्रालय को 5 सूत्री समाधान सौंपा, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर डेटा संकलन, पशु आश्रय स्थलों के लिए केंद्रीय सहायता और अन्य ठोस कदम शामिल हैं। उन्होंने मोदी सरकार से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई, ताकि हजारों परिवारों को दुख से बचाया जा सके।

उत्कृष्ट विद्यालय विधिक साक्षरता शिविर में बच्चों को दी जानकारी

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में साक्षी प्रसाद प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, निशांत देव अधिवक्ता, विशाखा तिवारी अधिवक्ता, देवेंद्र साहू , अमित शर्मा पैरालीगल वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष सभी अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्य एमसी शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। साक्षी प्रसाद न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को मौलिक अधिकार ,मौलिक कर्तव्य और कानून के महत्व की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को विधि के क्षेत्र में करियर के बारे में जानकारी प्रदान की निशांत देव एवं विशाखा तिवारी अधिवक्ता ने साइबर अपराध के कारण और उससे बचने के उपाय के बारे में बताया। देवेंद्र साहू एवं अमित शर्मा ने बाल स्वास्थ्य अधिकार एवं हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दी। एवं राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1500 पर कॉल कर विधि परामर्श लिया जा सकता है इसके बारे में बताया। कार्यक्रम में आभार प्राचार्य एमसी शर्मा ने व्यक्त किया एवं कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी दिनेश ओझा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समीक्षा जैन , भारती पंथी , प्रीति सक्सेना , प्रीति चतुर्वेदी , मनीषा कुशवाहा, पंकज दुबे उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में पेंशन जांच के निर्देश और सफाई अभियान में लाएं गति

नर्मदापुरम। नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नियमित जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान नागरिकों की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के सख्त निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में 10-12 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश सफाई व्यवस्था, जल निकासी और सीवरेज से जुड़ी समस्याएं थीं। इनका मौके पर ही निराकरण कराया गया। वहीं, दो पेंशन प्रकरणों की जांच कर तत्काल समाधान के आदेश जारी किए गए। नपाध्यक्ष ने शाखा प्रभारियों को हिदायत दी कि आने वाली सभी शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर यह जनसुनवाई शुरू की गई है, जिससे आम नागरिकों को सीधा लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में उपयंत्री अंबक पाराशर, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी, राखी चौकसे, मंजू मालवीय, अर्चना मंडल, संदीप यादव सहित नपा स्टाफ उपस्थित रहा। नपाध्यक्ष ने स्वच्छता अभियान में भी गति लाने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कंचनबाई का बलिदान नारी शक्ति की अमर मिसाल

नर्मदापुरम। नीमच जिले के मड़ावदा पंचायत के ग्राम रानापुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर मधुमक्खियों के हमले में मासूम बच्चों की रक्षा करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कंचनबाई का बलिदान नारी शक्ति, कर्तव्य और मानवता की अनुपम मिसाल बन गया है। इस हृदयविदारक घटना पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने गहन शोक व्यक्त किया है।श्रीमती नारोलिया ने कहा कि कंचनबाई ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना बच्चों को तिरपाल से ढककर सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया। इस वीरतापूर्ण प्रयास में वे गंभीर रूप से घायल हो गईं और उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। यह मातृत्व और निःस्वार्थ सेवा की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। उन्होंने कंचनबाई जी को समाज की संवेदनशील प्रहरी बताते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।सांसद ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि कंचनबाई जी के परिवार को आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति और बच्चों की शिक्षा-भविष्य की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्रीमती नारोलिया ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को धैर्य की प्रार्थना की तथा कहा कि वे इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी हैं।

युवक दिन में मजदूरी और रात में बनाता था रील, अवैध हथियार के साथ पकड़ा

जबलपुर। खमरिया थाना पुलिस ने ग्राम उमरिया में रहने वाले युवक के पास से अवैध हथियार बरामद करते हुए आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। युवक को रील बनाने का ऐसा चस्का लगा कि दिन में मजदूरी करता था और रात में अवैध हथियार के साथ रील बनाता था। खमरिया पुलिस ने 21 वर्षीय कमलोश को गिरफ्तार कर उसके पास से एक तलवार और एक बाइक के गियर से बना हथियार बरामद किया।

जिम्मेदारों की अनदेखी: कई शिकायतों के बाद भी अफसर नहीं दे रहे ध्यान

मछली मार्केट के आसपास गंदगी और बदबू का अंबार, खूंखार कुत्तों से राहगीर परेशान

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

शहर के वार्ड 22 में कंटेनर डिपो रोड पर स्थित मछली मार्केट इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इसके चलते यहां से गुजरने वाले लोगों को असहनीय दुर्गंध सहनी पड़ रही है, जबकि बाजार में कारोबार करने वाले व्यापारियों का जीवन नरकीय हो गया है, लेकिन इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

नगर पालिका द्वारा करीब एक दशक पहले निर्मित इस मछली मार्केट में साफ-सफाई, कचरे का निपटारा सहित मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिसके कारण समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाजार से निकलने वाला मांस-मछली का बेस्ट (कचरा) बाजार के आसपास ही पड़ा रहता है। नगर पालिका ने न तो इस कचरे के निपटान की कोई पुख्ता व्यवस्था की है और न ही नियमित सफाई की। परिणामस्वरूप आसपास घूमने वाले आवारा कुत्ते मछली-मांस खाकर और अधिक खूंखार हो गए हैं। ये कुत्ते कई बार यहां से गुजरने वाले लोगों पर हमला भी कर देते हैं, जिससे स्थानीय निवासियों में डर का माहौल है।

रोजी-रोटी पर भी पड़ रहा असर

मछली मार्केट कंटेनर डिपो रोड पर होने के कारण व्यस्त मार्ग है। प्रतिदिन वार्ड 10 के निवासियों के अलावा रेलवे स्टेशन जाने वाले लोग तथा वार्ड 23-24 के निवासी भी इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। ऐसे में गंदगी और बदबू न केवल व्यापारियों बल्कि आम जनता के लिए भी बड़ी मुसीबत बनी हुई है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि नगर पालिका की लापरवाही के कारण उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है। वे मांग कर रहे हैं कि तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए, कचरा निपटान की उचित व्यवस्था हो और आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान किया जाए।

> नगर पालिका हमे यहां बिठाकर भूल गई, यहां दो दर्जन दुकानदार असुविधाओं के बीच अपना पेट पालने के लिए मजबूर हो रहे हैं।
>
> -**रवि मांझी,** दुकानदार मछली मार्केट
>
> कन्टेनर रोड से निकलना लोगों का दूभर हो गया है, यहां असहनीय बदबू के अलावा आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है, स्थानीय प्रशासन को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।
>
> -**राकेश रावत,** रहवासी वार्ड 10
>
> मछली मार्केट में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था के साथ वहां पर कचरा वाहन भी खड़ा किया जाएगा।
>
> -**प्रशांत जैन,** नपा सीएमओ मंडीदीप।

मंडीदीप पुलिस ने आठ साल से फरार नाइजीरियन युवक को दिल्ली से दबोचा

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर की मंडीदीप थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 2018 में पासपोर्ट अधिनियम और फर्जी दस्तावेजों के मामले में फरार चल रहे नाइजीरियन नागरिक कैनचुक प्रिंस को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, साल 2018 में मंडीदीप क्षेत्र की एक होटल में बिना वैध दस्तावेजों के ठहरने पर पुलिस ने 20 विदेशी नागरिकों के खिलाफ पासपोर्ट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। उस समय पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि बाकी आरोपी फरार हो गए थे। इनमें से एक फरार आरोपी कैनचुक प्रिंस, निवासी नाइजीरिया भी था।

फरार आरोपियों की तलाश में मंडीदीप पुलिस ने लगातार प्रयास जारी रखे और दिल्ली पुलिस की मदद से आरोपी को ट्रेस कर सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। गुरुवार को आरोपी को गोहरगंज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। थाना प्रभारी रणजीत सराठे ने बताया कि इस मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सौंपा ज्ञापन: रेलवे हॉस्पिटल में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की मांग

इटारसी। दोपहर मेट्रो

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के दिशा निर्देश पर मंडल अध्यक्ष आरके शर्मा व सचिव कमलेश परिहार के मार्गदर्शन में रेलवे अस्पताल न्यूयार्ड इटारसी निरीक्षण पर आए पीसीएमडी डॉ. श्याम सुंदर को अस्पताल की अव्यवस्थाओं के संबंध में संगठन ने ज्ञापन सौपा है।

मंडल संगठक प्रीतम तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष सन्तोष चतुर्वेदी, मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मीना के नेतृत्व में अस्पताल की जर्जर हो चुकी बिल्डिंग को नया बनाने, सिक्योरिटी उपलब्ध कराने, डॉक्टर स्टाफ की संख्या बढ़ाने, इएनटी डॉक्टर, बच्चों के डॉक्टर, रेडियोलॉजिस्ट की भर्ती, विभिन्न खाली पोस्ट को भरने एवं इमरजेंसी उपकरण सोनोग्राफी मशीन व स्टाफ उपलब्ध करने, एक्सरे मशीन की फ़िल्म मरीजों को देने सहित अनेक गम्भीर विषयों पर पीसीएमडी से चर्चा की। मजदूर संघ ने अस्पताल में मरीजों के लिए प्रयोग होने वाले बेड, तकिये, मच्छर दानी की घटिया क्वालिटी के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। मजदूर संघ के शीर्ष नेतृत्व ने कहा कि इटारसी में लगभग 4 हज़ार से अधिक रेल कर्मचारियों के साथ ही उनका परिवार यहाँ इलाज कराने आता है। यदि शीघ्र ही मूलभूत सुविधाओं हेतु अस्पताल की समस्याओं का निदान नही होता है तो मजदूर संघ विरोध प्रदर्शन एवं आंदोलन हेतु बाध्य है। इस दौरान मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्यों महाकालेश्वर कश्यप, आकाश यादव, एसबीएफ मेम्बर तरुण शुक्ला सहित समस्त मजदूर संघ के पदाधिकारियों मुख्य शाखा सचिव योगेश चौरे, हरि अहिरवार, मोहित, रोहित रैकवार, चन्द्रहाक गालर,कालेश, इंजीनियरिंग शाखा सचिव अर्जुन उटवार, डीज़ल शाखा सचिव राजेश यादव, मिलन कुमार, ज्ञान प्रकाश दुबे मौजूद रहे।

बनखेड़ी हनुमानगढ़ी मंदिर में पुजारी की क्रूर हत्या, पत्थर-ईंट से सिर कुचला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के बनखेड़ी थाना क्षेत्र के चिल्होद स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर में गत दिवस एक बुजुर्ग पुजारी की अज्ञात हमलावर ने पत्थर और ईंट से सिर व चेहरे पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। मृतक शिव शंकर तिवारी (50), निवासी ग्राम मनकवाड़ा थे, जो पिछले 10-12 वर्षों से मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह एसडीओपी मोहित कुमार यादव और थाना प्रभारी विजय सनस पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सने पत्थर-ईंट सहित साक्ष्य बरामद कर जांच शुरू कर दी। एसएफएल टीम ने भी साइट का मुआयना किया। थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया, ÷प्रथम दृष्टया पत्थर से वार कर हत्या का मामला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।÷ शव का पीएम कराया जा चुका है और अज्ञात आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।पुजारी का स्वभाव सरल था और किसी से कोई विवाद नहीं था। मंदिर बस्ती के बीच स्थित होने से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। पुलिस हर संभावना की जांच कर रही है।

नपा अध्यक्ष ने पार्षदों के साथ किया तीन वार्डों का सघन निरीक्षण

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा पर दिया जोर

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और चल रहे विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने विभिन्न वार्डों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पार्षदों के साथ निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत जानी और अधिकारियों को गुणवत्ता से समझौता न करने की चेतावनी दी।

निरीक्षण की शुरुआत में नपा अध्यक्ष ने वार्ड क्रमांक 06 में पार्षद जिम्मी कैथवास के साथ नाली निर्माण कार्य देखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नालियों का निर्माण इंजीनियरिंग मापदंडों के अनुरूप होना चाहिए ताकि जल निकासी सुचारू रहे। इसके पश्चात, वार्ड क्रमांक 08 में पार्षद ज्योति बाबरिया, पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार बाबरिया की उपस्थिति में रोड निर्माण का जायजा लिया गया। अध्यक्ष ने सड़क की फिनिशिंग और मजबूती को लेकर ठेकेदार को आवश्यक निर्देश दिए।

वार्ड क्रमांक 12 में पार्षद मंजीत कलोसिया के साथ नाली निर्माण का निरीक्षण करते हुए पंकज चौरे ने स्थानीय निवासियों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य केवल निर्माण करना नहीं, बल्कि टिकाऊ विकास करना है। अध्यक्ष से लेकर पार्षद तक, हम सभी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जनता को दी जा रही सुविधाएं लंबे समय तक उनका साथ दें।

मेट्रो एंकर

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में 14 से रुद्राक्ष महोत्सव

इस बार 'ग्रीन शिवरात्रि' देगी पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सीहोर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित प्रसिद्ध कुबेरेश्वर धाम में आस्था और प्रकृति के संगम का अनूठा दृश्य देखने को मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिव महापुराण कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में आगामी 14 फरवरी से भव्य 'रुद्राक्ष महोत्सव' का शुभारंभ होने जा रहा है। सात दिवसीय यह धार्मिक अनुष्ठान 20 फरवरी तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश से करीब 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना जताई जा रही है।

इस वर्ष का महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बड़े आंदोलन का रूप लेगा। पंडित प्रदीप मिश्रा की पहल पर इस बार 'ग्रीन शिवरात्रि' मनाई जाएगी। इसके तहत महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वैश्विक स्तर पर एक करोड़ पौधे रोपने का संकल्प लिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य भक्तों को भक्ति के साथ-साथ प्रकृति के प्रति उनकी जिम्मेदारी का बोध कराना है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हाई-टेक इंतजाम

भारी भीड़ को देखते हुए धाम प्रबंधन और प्रशासन ने सुरक्षा व सुविधाओं के कड़े इंतजाम किए हैं।

- **सुरक्षा और निगरानी:** पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से 256 हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।
- **परिवहन:** रेलवे ने विशेष रूप से श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था की है।
- **स्वास्थ्य सेवाएँ:** रेलवे स्टेशन से लेकर धाम परिसर तक डेढ़ दर्जन से अधिक अस्थायी अस्पताल और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाए गए हैं।

न्यूज विंडो

पांदुर्ना में खेत में बनी झोपड़ी में लगी आग मुर्गियां, पालतू जानवर और बैलगाड़ी राख

पांदुर्णा। पांदुर्णा तहसील के पारडी गांव में किसान पुरुषोत्तम देशमुख के खेत में बनी झोपड़ी में शुक्रवार सुबह आग लग गई। इस घटना में कोठे में रखी 30 मुर्गियां, एक पालतू कुत्ता, बैलगाड़ी और खेती से संबंधित अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। किसान के अनुसार, इस आगजनी से उन्हें लगभग 60 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि जलते हुए कोठे के पास से पेट्रोल की गंध आ रही थी, जिससे उन्हें संदेह है कि किसी ने जानबूझकर आग लगाई है।किसान देशमुख ने इस घटना की शिकायत पांदुर्णा पुलिस थाने में दर्ज कराई है। थाना प्रभारी अजय मरकाम ने बताया कि उन्होंने बिट प्रभारी को आगजनी की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

सफाईकर्मियों ने वेतन न मिलने से नाराज होकर निगम कार्यालय का किया घेराव

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने वेतन न मिलने से नाराज होकर निगम कार्यालय का घेराव कर दिया। दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों और पार्षदों ने करीब एक घंटे तक निगम आयुक्त सीपी राय के केबिन के सामने प्रदर्शन किया। हालांकि, छिंदवाड़ा सांसद ने वीडियो कॉल पर चर्चा कर दो दिन में वेतन दिलाने का वादा किया, जिसके बाद सफाईकर्मियों और हड़ताल पर जा रहे नल चालकों ने अपनी हड़ताल स्थगित कर दी है।

कटनी के ग्राम दरौड़ी में तेंदुआ खेत में लगी लोहे की फेंसिंग में फंसा

कटनी। कटनी के विजयराघवगढ़ विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम दरौडी में एक तेंदुआ खेत की लोहे की फेंसिंग में फंसा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। वन विभाग की टीम ने स्थिति को संभालते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जानकारी के अनुसार, तेंदुआ शिकार की तलाश में रास्ता भटक कर खेत की ओर आया था। यहां वह लोहे के कटीले तारों में बुरी तरह उलझ गया। चश्मदीदों ने बताया कि खुद को छुड़ाने की कोशिश में तेंदुआ लहूलुहान भी हुआ है। तार में फंसे होने के कारण तेंदुआ काफी आक्रामक स्थिति में है, जिससे क्षेत्र में सतर्कता का माहौल है।

बाल विवाह मुक्त प्रचार रथ यात्रा का समापन

तेन्दूखेड़ा। आकांक्षी ब्लॉक तेन्दूखेड़ा के विभिन्न गावों मे संकल्प समाज सेवी संस्था दमोह व्दारा एक्सिस टू जस्टिस परियोजना के तहत बाल विवाह रोकने एवं बाल अधिकारों के प्रति आम जन मे जागरुकता लाने 26 जनवरी 2026 से एक बाल विवाह मुक्त भारत प्रचार रथ निकाला गया। उक्त प्रचार रथ यात्रा का 05 फरवरी 2026 को ग्राम पतलौनी मे विधिवत मंचीय कार्यक्रम के साथ समापन किया गया। इस सम्बन्ध में संस्था के देवेन्द्र दुबे, सुजात खान ने बताया कि भारत सरकार व्दारा विगत 27 नवंबर 2025 से आगामी 08 मार्च 2026 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने 100 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। सरकार के इसी अभियान के सशक्तिकरण को लेकर प्रचार रथ व्दारा आकांक्षी ब्लॉक तेन्दूखेड़ा के अनेक गावों एवं पंचायतों का भ्रमण किया गया। इस दौरान सभी ग्रामीणजनों, जनप्रतिनिधियों ,नाबालिग बच्चों एवं उनके अभिभावकों- पालकों को बाल विवाह से मुक्त व्यक्ति,समाज, गांव,पंचायत, जिला एवं देश बनाने सामुहिक शपथ भी दिलाई गई। अभियान के दौरान बच्चों के पालकों से वचन पत्र भी भरवाये गये। इस मौके पर प्रचार रथ के माध्यम से बच्चों के अधिकारों एवं उनके संरक्षण के बारे मे भी समझाया गया। प्रचार रथ यात्रा को गावों मे अच्छा समर्थन मिला। प्रचार रथ के समापन कार्यक्रम में अतिथि खुशबू तिवारी,सरपंच बेड़ी सदर, भारत सिंह, कृष्णा तिवारी, प्रतिभा लोधी, रितु विश्वकर्मा, दर्शन नामदेव आदि की विशेष भूमिका एवं उपस्थिति सराहनीय रही।

आठ राज्यों की पुलिस को थी आरोपी की तलाश

टांडा पुलिस ने 81 वारदातों में फरार अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना रमेश चौहान को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

टांडा पुलिस ने लूट, डकैती और नकबजनी जैसे गंभीर 81 वारदातों में फरार कुख्यात आरोपी रमेश चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रमेश की 8 राज्यों की पुलिस तलाश रही थी, चोरी का माल खरीदना, बेचना और बदमाशों को संरक्षण देने उसका पेशा था।

पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं कुक्षी एसडीओपी सुनिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के थाना प्रभारियों को संपति सबंधी अपराधियो के धड़पकड़ करने के निर्देश दिये गये थे। टांडा पुलिस द्वारा आरोपियों के धड़पकड़ के लिए लगातार दबिशें दी जा रही थीं। 4 फरवरी 2026 को मुखबिर द्वारा सुचना मिली की कुख्यात डकैत अंतरराज्यीय सरगना अपने गांव पिपलदिलया है और किसी चोरों से माल खरीदने व चर्चा करने के लिए आया है।

पुलिस को देख खेत में भागा

सुचना पर थाना प्रभारी टांडा संजय कुमार रावत व टांडा पुलिस के द्वारा दो अलग अलग टीमो का गठन किया गया। वे मुखबिर द्वारा बताये गांव के जंगल व स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। आरोपी रमेश पुलिस को धेखकर भागने के लिए कपास के खेत तरफ भागा जिसे घेरांबदी कर टीम ने पकड़ लिया। फिर से सख्ती से पुछताछ करने पर अपना नाम रमेश पिता नरसिह चौहान निवासी पिपलदलिया थाना टाडां होना बताया। हिरासत मे लेकर थाना लेकर लाया गया व थाने के दो मामले मे न्यायालय द्वारा स्थाई वारंटी जारी किया गया व थाना तिरला जिला धार से संपती संबधी अपराध मे फरारी काट रहा था थाना रिकार्ड व अन्य जिले अन्य राज्यो का रिकार्ड खंगाला, जो 81 वारदातों में आरोपी होकर न्यायलय से जारी स्थाई वारंटों व अपराधों में लगातार फरार होकर फरारी काट रहा था। आरोपी रमेश पिता नरसिंह चौहान निवासी पिपलदिलया का जिला धार ,खरगोन ,इंदोर ,खंडवा व अन्य राज्य कर्नाटक ,तेलगाना ,तमीलनाढु ,छतीसगढ ,गुजरात ,राजस्थान ,महाराष्ट के सभी संपति सबंधि 81 अपराधो मे वांटेड होकर फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी व धरपकड के थाना टांडा प्रभारी व थाना पुलिस बल उप निरीक्षक भुपेन्द्र खरतिया ,सहायक उप निरीक्षक योगेन्द्र मावी ,रामदास सोलंकी , रामसिह हटिला , प्रधान आरक्षक अर्जुन मोर्य माधवसिह वसुनिया,आरक्षक सुनिल, निलेश, सिध्दार्थ, जितेन्द्र, विनोद सेनिक बहादुर का सराहनीय योगदान रहा है।

धार जिले में साइबर ठगों का आतंक

फोन हैक कर दो किसानों के खातों से उड़ाए लाखों रुपए

आरोपियों ने दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दी रकम, अनारद और धामनोद के किसानों से ठगी

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अज्ञात बदमाशों द्वारा फर्जी तरीके से बैंक खातों से पैसे निकालने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताज़ा मामलों में ठगों ने धामनोद और ग्राम अनारद के दो व्यक्तियों को अपना निशाना बनाया और उनके खातों से कुल 4.81 लाख रुपये पार कर दिए।

पहला केस: धामनोद के सुन्द्रेल फाटा निवासी राहुल पिता महादेव पाटीदार ने बताया कि उनका मोबाइल 9826616024 संभवतः हैक कर लिया गया था। उनके ढ्ढष्ठस्नष्ट बैंक खाते से तीन बार में बड़ी रकम निकाली गई। दो बार में एक-एक लाख रुपए और तीसरी बार में 81 हजार रुपयों अज्ञात आरोपी ने कोटक महिंद्रा बैंक में ट्रांसफर कर दिए गए। राहुल को इस बड़ी ट्रांजेक्शन का पता तब चला जब पैसे कट चुके थे।

दूसरा केस: दूसरा मामला धार शहर के पास ग्राम अनारद का है। यहाँ निवासी इरफान पिता जाहीद हुसैन खान के साथ भी ऐसी ही धोखाधड़ी हुई। अज्ञात ठगों ने फर्जी तरीके से उनके बैंक खाते से 2 लाख रुपये की राशि निकाल ली। इरफान ने पुलिस को इस धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। ०?हॉट्सएप या एसएमएस पर आए किसी भी संदिग्ध लिंक को न खोलें इससे मोबाइल हैक हो सकता है।

हत्याकांड का खुलासा: लूट के लिए की गई थी कलेक्शन एजेंट की हत्या

तेन्दूखेड़ा । दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी के सागोनी गांव के जंगल में हुई फ्यूजन फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट विनोद अहिरवार की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लूट के लिए यह हत्या की गई थी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही लूट के एक लाख में से करीब 80 हजार रुपए बरामद कर लिए हैं

जानकारी देते हुए तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया की पटेरा थाना के कूड़ई गांव निवासी विनोद पिता गोपी अहिरवार 30 जो फ्यूजन फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करता था तेजगढ़ थाना अंतर्गत आने वाले सागोनी गांव के आसपास महिलाओं से समूह के माध्यम से दिए गए पैसों की किश्त एकत्रित करने का काम करता था 28 जनवरी की सुबह उसका शव सागोनी के जंगल में पत्थरों से कुचला हुआ मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद एसपी के मार्गदर्शन में मामले की जांच शुरू की। साइबर सेल की मदद से संदिग्ध गोविंद पिता मंगल आदिवासी 25 निवासी उमरघाट को पूछताछ के लिए पुलिस ने पकड़ा तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसकी मां ने भी मृतक विनोद से समूह में पैसे लिए थे और वह पैसे लेने के लिए उनके घर भी आता रहता था। 27 जनवरी को आरोपी मंगल ने मृतक विनोद को फोन लगाकर उमरघाट बुलाया और कहा कि वह अपनी मां की दूसरी किस्त भी देना चाहता है। आरोपी मृतक को जानता था इसलिए वह किस्त लेने के लालच में वहां पहुंच गया उसके बाद आरोपी और मृतक एक ही बाइक पर बैठकर सागोनी के जंगल में गए। जहां आरोपी मंगल आदिवासी ने विनोद अहिरवार पर पत्थर पटक कर उसकी हत्या कर दी। साथ ही उसके पास रखे एक लाख रुपये लेकर वह भाग गया। गुरुवार को साइबर सेल की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया गया उसके पास से 80,000 हजार रुपये नगद एक नया मोबाइल साथ ही मृतक का मोबाइल भी बरामद किया गया है आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

रेत कंपनी ने प्रेस नोट जारी कर रखा अपना पक्ष, की निष्पक्ष जांच की मांग

तथाकथित रेत माफिया के संरक्षण में चल रहा अवैध उत्खनन

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा मेसर्स वेलोसिटी माइनिंग वक्र्स एल एल पी कंपनी द्वारा नर्मदापुरम -2 समूह में स्थित 34 रेत खदानों का टेंडर 85 करोड़ रुपये सालाना में शासन से रेत उत्खत्न एवं परिवहन के लिए ठेके पर लिया गया है। जिसमें नर्मदापुरम तहसील एवं सिवनी मालवा तहसील स्थित 34 रेत खदानें आती हैं।

कुछ दिन पूर्व कजलास एव टिगारिया ग्राम मे जो रेत को लेकर विवाद हुआ है। जिसको लेकर कंपनी ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए उसमे सही घटना इस प्रकार से बताई गई है कि ग्राम कजलास एव टिगारिया मे पिछले 1 वर्ष से अवैध रूप से ट्रेक्टर-ट्रॉलियों से रेत का अवैध उत्खनन एव परिवहन गांव के कुछ तथाकथित रेत माफियाओं के द्वारा किया जा रहा था। 31 जनवरी को कंपनी के कर्मचारी ग्राम कजलास एव टिगारिया के पास मिसरोद स्थित गाव मे मैन रोड से निकल रहे थे। उक्त समय गांव के अवैध उतखननकर्ताओं द्वारा दो ट्रेक्टर से हमारी कंपनी की स्कॉपियो मे जोरदार टक्कर मारी गई। जब कंपनी के कर्मचारी गाडियो

से नीचे उतरे तो ग्रामीणो ने पथराव चालू कर दिया। वायरल वीडियो में सिर्फ एक पक्ष ही दिखाया जा रहा है। जबकि मिसरोद मे ही रॉयल्टी काउंटर पर इन्हीं अवैध उतखननकर्ताओं द्वारा 1 वर्ष पूर्व नाके को जला दिया गया था। जबकि इन्ही दोनो गाँव से प्रतिदिन 30 से 35 ट्रेक्टर ट्रॉली बिना रॉयल्टी के बाजार में बेची जा रही थी । इन्हीं पर रोक लगाने के उद्देश्य से कंपनी द्वारा जांच की कार्यवाही की जा रही थी। और सबसे महत्वपूर्ण घटना ग्रामीण द्वारा उस दिन रात्री मे ट्रेक्टर को जलाना बताया जा रहा है उक्त रात्री के समय सभी कर्मचारी ऑफिस केम्पस मे कैमरों की जद मे मौजूद थे जिसकी फोटो वीडियो मौजूद है। जिस गाँव मे दिन दहाड़े अवैध उतखननकर्ताओं के द्वारा इतना उत्तपात मचाया जा सकता है। उस गांव में कोई कर्मचारी नौकरी करने वाला ट्रैक्टर जलाने जाने की क्या हिम्मत कर सकता है। इन लोगों के द्वारा खेती किसानी के नाम पर ट्रैक्टर उठा लिये जाते है ं उस रात भी इन्ही लोगो द्वारा ट्रैक्टर में आग लगाई थी।

नीम के पेड़ पर दिखा तेंदुआ

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की कुक्षी तहसील के ग्राम कुडदीगपुरा में बच्चों ने दो तेंदुआ पेड़ पर देखे गए, ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसमें से एक तेंदुए को सुरक्षित तरीके से रेस्यूंदुआ कर लिया, जबकि दूसरा तेंदुआ वन कर्मियों को देखकर जंगल की और भाग गया। वन विभाग की टीम घायल तेंदुए को लेकर पशु विभाग के चिकित्सक के पास पहुंची, जहां पर तेंदुए को प्राथमिक उपचार दिया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम कुडदीगपुरा में सुबह ग्रामीण खेत की और जा रहे थे, इस दौरान बच्चों को तेंदुएं के गुर्राहट की आवाज सुनाई दी। ग्रामीण नीम के पेड़ तक तेंदुए को देखने के लिए एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने देखा कि एक तेंदुआ नीम के घने पेड़ पर बैठा था, जबकि दूसरा पेड़ के नीचे एक खोह में घुसा हुआ था। तेंदुए को देखने के लिए ग्रामीण युवक और बच्चे मौके पर जमा हो गए थे। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ऊपर चढ़े तेंदुए को रेस्क्यू करने की योजना बना ही रही थी कि वह नीम के पेड़ से कूदकर जंगल में भाग गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने नीम के पेड़ के नीचे खोह में घुसे दूसरे तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बताया जा रहा हैं, कि रात में कुत्तों के झुंड के भौंकने से तेंदुए के ये दोनों बच्चे गांव की ओर आ गए थे। इनमें से एक डर के मारे नीम के पेड़ पर चढ़ गया, जबकि दूसरा नीचे खोह में घुस गया।

मेट्रो एंकर

सर्दी जुकाम के साथ वायरल फीवर के मरीज आ रहे सामने

मौसम में बदलाव का असर, ओपीडी में बढ़ रही मरीजों की संख्या

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

दिन में गर्मी का एहसास व शाम के बाद ठंड का एहसास लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। बदलते मौसम में संक्रमण के सक्रिय होने से सर्दी जुकाम, वायरल बुखार व डायरिया के लक्षण देखे जा रहे है, जिसमें बच्चे व बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। जिला अस्पताल की ओपीडी के साथ ही प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। मौसम में परिवर्तन के साथ ही देखा जा रहा है कि दिन में तापमान ज्यादा रहता है लेकिन शाम के बाद ठंड का एहसास होता है तथा रात व सुबह तेज ठंड दर्ज की जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार मौसम में जब परिवर्तन होता है तो ऐसा ही मौसम होता है इस दौरान गर्मी व ठंड का एहसास होता है जो शरीर पर विपरीत प्रभाव डालता है।

वर्तमान में संक्रमण का असर एक सप्ताह तक देखने को मिल रहा है। बुजुर्गों के साथ ही बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, शाम के बाद बच्चों को फुलकपड़े पहनने की आवश्यकता है, सर्दी जुकाम होने पर डॉक्टर की सलाह जरुर लेनी चाहिए। संक्रमण के कारण पेटदर्द व बदन दर्द की समस्या भी देखने को मिल रही है। कुछ दिनों तक सर्दी व बुखार होने पर डॉक्टर का परामर्श लेना चाहिए।

पिछले पांच दिनों के आंकड़ों पर एक नजर

पंजीयन	ओपीडी	आईपीडी
01 फरवरी	256	115
02 फरवरी	1141	204
03 फरवरी	1259	302
04 फरवरी	1095	212
05 फरवरी	1254	245

हवाओं की गति के कारण भी बदलता है मौसम

हवाओं की दिशा बदलने के कारण ही ज्यादातर मौसम में बदलाव देखा जाता है। बादलों के रहने के दौरान गर्मी महसूस होती है वहीं बादलों के हटते ही हवाओं के तेज चलने से ठंड का एहसास होने लगता है। जिले का मौसम हवाओं की दिशा व गति तय करता है।

रनर अप बनी दिल्ली कैपिटल्स को भी मिला तीन करोड़ रुपये का इनाम

आरसीबी खिलाड़ियों और टीम स्टाफ पर हुई पुरस्कारों की बारिश

मंधाना-डिवाइन का रहा जलवा

वडोदरा , एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग 2026 सिर्फ क्रिकेट का उत्सव नहीं, बल्कि पैसों और अवार्ड्स का भी उत्सव साबित हुआ। स्मृति मंधाना की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स की दिल्ली कैपिटल्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही आरसीबी खिलाड़ियों और टीम स्टाफ पर पुरस्कारों की बारिश भी हुई। वहीं, रनर अप बनी दिल्ली कैपिटल्स को भी तीन करोड़ रुपये का सम्मान मिला। पहले बल्लेबाजी करने वाली दिल्ली टीम के लिए लिजेल ली ने 30 गेंद में 37 रन और शेफाली वर्मा ने 13 गेंद में 20 रन की पारी खेली। वोल्वार्ड्ट ने 25 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 44 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने 37 गेंद में आठ चौके की मदद से 57 रन की पारी खेली। चिनेल हेनरी 15 गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से 35 रन की नाबाद तूफानी पारी खेली। दिल्ली ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 203 रन बनाए। आरसीबी की ओर से लॉरेन बेल ने चार ओवर में केवल 19 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। सयाली सतघरे, अरुंधति रेड्डी और नदिन डी क्लर्क को एक-एक विकेट मिला।

फाइनल में अन्य प्रमुख अवॉर्ड्स

चिनेल हेनरी - सुपर स्ट्राइकर ऑफ द मैच - 1 लाख रुपये
ऋचा घोष - एक्टिव कैच ऑफ द मैच - 1 लाख रुपये
जॉर्जिया वॉल - मैच आइक्यू अवॉर्ड - 1 लाख रुपये
लॉरेन बेल - ग्रीन डॉट बॉल्स ऑफ द मैच - 1 लाख रुपये
सीजन के बड़े अवॉर्ड्स-
ग्रेस हैरिस - सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन - 5 लाख रुपये
लूसी हैमिल्टन- कैच ऑफ द सीजन - 5 लाख रुपये
सोफी डिवाइन- मैच आईक्यू और मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर - 5 लाख रुपये
हरमनप्रीत कौर - सिक्सेस ऑफ द सीजन - 5 लाख रुपये
नंदिनी शर्मा - इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - 5 लाख रुपये

अवॉर्ड्स में किसकी हुई चमक

फाइनल और सीजन दोनों में स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन ने अवॉर्ड्स में अपना जलवा दिखाया। मंधाना को प्लेयर ऑफ द मैच, मोस्ट सिक्सेस ऑफ द मैच, और ऑरेंज कैप जैसे पुरस्कार मिले। वहीं सोफी डिवाइन ने मोस्ट वैलुएबल प्लेयर ऑफ द सीजन, मैच आईक्यू ऑफ द सीजन और पर्पल कैप अपने नाम किए। टीम अवॉर्ड्स में आरसीबी को जीत के लिए छह करोड़ रुपये, लिमिटेड एडिशन वॉच और विनिंग ट्रॉफी मिली। रनर अप बनी दिल्ली कैपिटल्स को भी लिमिटेड एडिशन वॉर, तीन करोड़ रुपये और रनर अप शील्ड मिली।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026: पाकिस्तानी की अकड़ अभी भी कायम

बैन होने का मंडरा रहा खतरा, फिर भी धमका रहा है आईसीसी को, पूर्व क्रिकेटर के बड़े बोल

इस्लामाबाद , एजेंसी

पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले अपने मैच को बॉयकॉट करने का फैसला किया है। 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों टीमों की टक्कर होने वाली है। पीसीबी की तरफ से मैच को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर जानकारी दी कि पाकिस्तान टी20 विश्व कप में खेलेगा लेकिन भारत के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरेगा।

पाकिस्तान पर एक्शन हो सकता है

भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने की वजह से आईसीसी पाकिस्तान पर एक्शन ले सकता है। मैच नहीं होने से होने वाले आर्थिक नुकसान को पाकिस्तान से वसूला जा सकता है। इसके साथ ही पाकिस्तान पर बैन भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान पहले टूर्नामेंट के सभी मैच खेलने के लिए राजी हो गया था। अब उसने भारत के खिलाफ मुकाबले छोड़ने का फैसला किया है।

बासित अली ने आईसीसी को चैलेंज किया

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने आईसीसी को चैलेंज किया है कि पाकिस्तान को बैन करके देख लो। उन्होंने पिछले विश्व कप के उन मैचों को उदाहरण दिए जब एक टीम ने दूसरी टीम से खेलने को मना कर दिया था। बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया ने 1996 के वर्ल्ड कप में अपने मैच नहीं खेले थे। दो पॉइंट गंवाने के अलावा क्या उन पर कोई और पेनल्टी लगाई गई थी? इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने 2003 के वर्ल्ड कप में मैच छोड़ दिए थे। क्या उन्हें कोई और पेनल्टी झेलनी पड़ी थी? और ऐसी बातें हो रही हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर बैन लगा दिया जाएगा। करके देख लो! इसकी शुरुआत भारत ने की थी। हाथ मिलाना जरूरी नहीं है। मैं तो पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने के फैसले के बारे में बात भी नहीं कर रहा। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने एसीसी के चीफ मोहसिन नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि भारत सरकार ने मना किया था। अब जब हम अपनी सरकार के कहने पर किसी मैच का बॉयकॉट कर रहे हैं, तो क्या हम बुरे लोग बन गए? अगर भारत ऐसा कर सकता है तो पाकिस्तान भी कर सकता है!

आईसीसी से की लेटर की मांग

पीसीबी ने अभी तक आईसीसी को आधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी है कि वह भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगा। बासित अली ने आगे कहा- अब आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से रिक्वेस्ट की है कि अपने फैसले पर विचार करें या फिर फॉर्मली अपना फैसला बताए। क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बीसीसीआई ने आईसीसी को लेटर लिखकर बताया था कि वे पाकिस्तान में नहीं खेलेंगे? मैं आईसीसी में सभी को चैलेंज करता हूं कि मुझे बीसीसीआई का लेटर दिखाएं। पीसीबी कैसे पाकिस्तान सरकार के फैसले को इग्नोर कर सकता है? यह फैसला शिर्फ पाकिस्तान सरकार ही कर सकती है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलेगी या नहीं।

मुक्केबाजी में लवलीना ने की जीत से शुरुआत

थाईलैंड से हारकर भी भारत BATC के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली , एजेंसी

युवा तन्वी शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद गत चैंपियन भारत को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ग्रुप वाय के दूसरे मैच में गुरुवार को थाईलैंड के हाथों 2-3 से पराजय झेलनी पड़ी। इस हार के बावजूद भारत ने क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालिफाई कर लिया है। म्यांमार को पहले मैच में 5-0 से हराने के बाद भारत ग्रुप वाय में थाईलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा। दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी और 2024 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम की सदस्य रही तन्वी ने विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज बुसानन ओंगामरूनंगफान को 21-14, 17-21, 21-18 से हराया। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने इसके बाद 65वीं रैंकिंग वाली टी क्लीबायीसुन और नत्तामोन लेइसुआन की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-11 से हराया। रक्षिता रामराज हालांकि 2023 विश्व जूनियर चैम्पियन 19 वर्ष की पिचामोन ओमात्निपुत से 19-21, 17-21 से हार गई। दूसरे युगल मैच में तनीषा क्रास्टो और श्रुति मिश्रा को एच मिजाद और नापापाकोर्न तुंगकासातान ने 19-21, 21-14, 21-15 से हराया।मालविका बंसोड को पहले एकल में पोर्नपिचा चोइकीवोंग ने 21-18, 21-14 से हराया।

बोक्सैम एलीट 2026:हितेश भी अगले दौर में

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने स्पेन के अलीकांटे में जारी बोक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 में यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को आसानी से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की जबकि हितेश गुलिया भी अगले दौर में पहुंच गए जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। लवलीना महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग में शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने तेज और सटीक मुक्कों के संयोजन से यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले में हराकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दो भाषाओं में एक साथ शूट करना आसान नहीं

सई मांजरेकर ने साझा किया द इंडिया हाउस का अपना अनुभव

मुंबई । भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म द इंडिया हाउस को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है।

सई मांजरेकर ने कहा, द इंडिया हाउस मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।

उन्होंने कहा, इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।

प्रोजेक्ट की होती हैं चुनौतियां

सई ने कहा, मेरी पिछली फिल्म मेजर की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। द इंडिया हाउस की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है। द इंडिया हाउस फिल्म में सई मांजरेकर सती नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी हैं।

पूरी तरह लड़की बनेंगी अनाया, कराएंगी जेंडर अफर्मिंग सर्जरी, फैमिली का मिला सपोर्ट

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया, जो लड़का से लड़की बनी हैं, की लाइफ में बड़ा बदलाव आने वाला है। उनका 5 साल का लंबा इंतजार खत्म होने वाला है। अनाया पूरी तरह से लड़की बनने को तैयार हैं। बहुत जल्द उनकी जेंडर अफर्मिंग सर्जरी, वैजिनोप्लास्टी (वो प्रोसेस जिसमें वजाइना क्रिएट की जाती है) होने वाली है। उन्हें घरवालों का इस जर्नी में पूरी तरह सपोर्ट मिल रहा है।

बातचीत में अनाया ने कहा- मैं मार्च में जेंडर अफर्मिंग सर्जरी कराने वाली हूं। फैशन डिजाइन सायशा शिंदे और एक्ट्रेस त्रिनेत्रा हलदर इस प्रोसेस से गुजर चुकी हैं, उन्होंने मुझे गाइड किया है। मैं भी थाईलैंड के उसी क्लीनिक में सर्जरी कराने वाली हूं। वहां मुझे 1 महीने तक रहना पड़ेगा। इसके बाद कुछ समय के लिए मुझे आराम करना होगा। कम से कम 6 महीनों तक मैं क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है फाइनली मैं सर्जरी करा रही हूं।

अनाया ने बताया कि फैमिली के सपोर्ट और आर्थिक स्थिरता की वजह से वो सर्जरी कराने का फैसला कर पाई हैं। इस पल के लिए उन्होंने 5 साल तक इंतजार किया है। वो कहती हैं- मैं जिस जेंडर के साथ पैदा हुई थी, उससे कभी जुड़ नहीं पाई थी। सर्जरी कराने का फैसला सालों की थेरेपी, डॉक्टरों के सुझाव और खुद को जानने के बाद ले पाई हूं। खुद को तैयार करने के लिए मैंने साइकोलॉजिकल और मेडिकल एसेसमेंट का सहारा लिया। ये सर्जरी समाज के सामने कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने शरीर में सहज महसूस करने

मेट्रो बाजार

एनटीपीसी 2047 तक स्थापित करेगा 30 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता : श्रीपद नाइक

नई दिल्ली । सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी 2047 तक 30 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बना रही है। यह जानकारी केंद्रीय विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद नाइक की ओर से गुरुवार को संसद में दी गई। सभी जरूरी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद, एनटीपीसी ने कंपनी अधिनियम के तहत एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीयूएनएल) नामक पूर्ण स्वामित्व वाली परमाणु सहायक कंपनी का गठन किया है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷एनटीपीसी का 30 गीगावाट का लक्ष्य सरकार के 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने के निर्णय का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि एनटीपीसी और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) का एक संयुक्त उद्यम, अनु शक्ति विद्युत निगम लिमिटेड राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में 4ङ्क700 मेगावाट की परमाणु ऊर्जा परियोजना स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इस प्लांट को माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (एमबीआरएपीपी) कहा जाता है। वर्तमान अनुमानों के अनुसार, एमबीआरएपीपी की पहली 700 मेगावाट इकाई का प्रारंभिक परीक्षण वित्त वर्ष 2032-33 तक शुरू हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विभिन्न विकल्पों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ संभावित सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए, एनटीपीसी लिमिटेड ने रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील का पहला चरण 4-5 दिनों में सामने आएगा

नई दिल्ली । भारत-अमेरिका ट्रेड डील का पहला चरण अगले 4-5 दिनों में सामने आ सकता है, जिसमें अमेरिका को भारतीय निर्यात पर टैरिफ की दर कम होकर 18 प्रतिशत हो जाएगी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत-अमेरिका के बीच साझा बयान अगले चार से पांच दिनों में जारी हो सकता है। जैसे ही एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी हो जाएगा। अमेरिका में भारतीय निर्यात पर टैरिफ कम होकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ÷भारत आठ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पूरे कर चुका है और अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता नौवां होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भारत द्वारा साइन किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) देश के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।÷ गोयल ने आगे बताया कि भारत खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ एक एफटीए के लिए संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर करने जा रहा है, जो लगभग दो दशकों से चल रही बातचीत के फिर से शुरू होने का प्रमाण है। गोयल ने कहा कि सभी छह जीसीसी देशों के साथ एक एफटीए नीतिगत पूर्वानुमान में सुधार लाएगा, निवेश को प्रोत्साहित करेगा और खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा। फूड प्रोसेसिंग, पेट्रोकेमिकल्स और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उन कई क्षेत्रों में से हैं जिन्हें भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) एफटीए से लाभ होगा। जीसीसी के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में 179 अरब डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा कि भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौता वैश्विक हित में एक प्रेरक शक्ति का काम करेगा।

अचानक तुर्की में बन गए 700 गड्ढे...

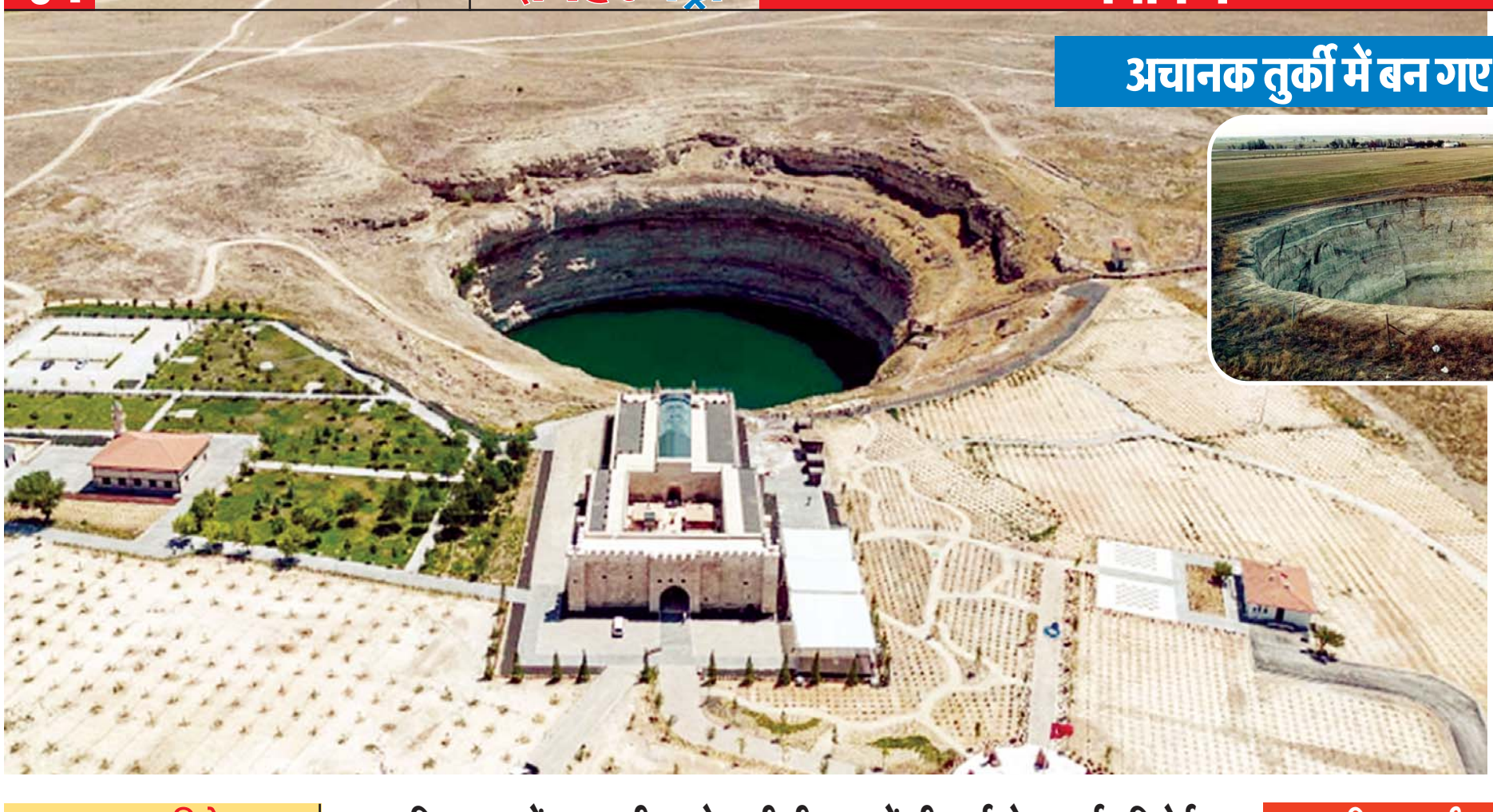

तुर्की के मध्य इलाके कोन्या प्लेन में एक डरावनी समस्या बढ़ रही है। यहां करीब 700 बड़े-बड़े ओब्रुक (सिंकहोल) बन चुके हैं। नए-नए बनते जा रहे हैं। ये विशाल गड्ढे खेतों को निगल रहे हैं, जिससे किसान डर के साए में जी रहे हैं। मुख्य वजह है लंबे समय से चल रहा भयंकर सूखा और भूजल का ज्यादा इस्तेमाल। रिपोर्ट्स में यह संख्या 684 बताई गई है, जो देश की 'अनाज की टोकरी' कहे जाने वाले इलाके के लिए बड़ा खतरा है। ओब्रुक जमीन के नीचे की चट्टानों में पानी घुलने से बनते हैं।

न्यूज विंडो

ट्रंप ने लॉन्च की सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइट, बोले- स्वस्थ रहो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंपआरएक्सडॉटजीओवी नाम की एक नई सरकारी वेबसाइट लॉन्च की, जो आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली दर्जनों प्रिस्क्रिप्शन (डॉक्टर की ओर से लिखी) दवाओं पर भारी छूट मुहैया कराती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे कदम को अमेरिकी इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कमी करार दिया है। व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, 'लोग बहुत सारा धन बचाएंगे और स्वस्थ रहेंगे'। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कुछ सबसे बड़े दवा उत्पादक देशों ने अमेरिकी टैरिफ से बचने के बदले में 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' समझौतों के तहत कीमतें कम करने पर सहमति जताई है।अमेरिकी ट्रंप के मुताबिक इससे अमेरिकी लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। उन्होंने इसे 'बहुत बड़ी डील' करार दिया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने दावा किया उपभोक्ता इस साइट का इस्तेमाल करके फार्मेसियों में रिडीम किए जा सकने वाले कूपन के जरिए प्रिस्क्रिप्शन दवा पर डिस्काउंट वाली कीमतों का फायदा उठा सकते हैं।

घूसखोर पंडित: दर्ज हुआ मामला निर्माताओं को भेजा नोटिस

लखनऊ। मनोज बाजपेयी की नेटफ्लिक्स पर आने वाली आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मुंबई और भोपाल के बाद अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी फिल्म के मेकर्स के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। वहीं मुंबई स्थित संगठन फिल्म मेकर्स कंबाइन (एफएमसी) ने भी फिल्म के शीर्षक पर आपत्ति जताते हुए मेकर्स को नोटिस भेजा है। लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में 'घुसखोर पंडित' के निर्देशक और टीम के खिलाफ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने और धार्मिक/जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में लखनऊ कमिश्नरेट का कहना है कि किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने या शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

90 मामलों के वांटेड अपराधी रिहान अंसारी का किया एनकाउंटर

शामली। शामली में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई और इस मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश रिहान अंसारी मारा गया, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। रिहान अंसारी पर 50000 रुपये का इनाम रखा गया था। एनकाउंटर में दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग हुई और इसमें शामली कोतवाली का एक सिपाही सुमित गोली लगने से घायल हो गया। रिहान अंसारी के खिलाफ 90 से ज?यादा मामले दर्ज हैं। उत्तर प्रदेश में इससे पहले मंगलवार की रात को एक लाख के इनामी शूटर बनारसी यादव को एसटीएफ ने मार गिराया था।शामली एसपी एनपी सिंह ने बताया कि देर रात सूचना मिली थी कि झिंझाना से कसेरवा गांव की ओर बाइक सवार दो बदमाश लूट की घटना को अंजाम देने वाले हैं। इसकी सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और एसओजी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की तरफ से भी ताबड़तोड़ फायरिंग की गई जिसमें दिल्ली का रहने वाला इनामी बदमाश रिहान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गाजियाबाद में खुदकुशी करने वाली तीन बहनों की आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट

80 फीट से गिरीं, टूटीं पसलियां लिवर-गुर्दा और दिल सब फटे

गाजियाबाद, एजेंसी

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के टीला मोड़ इलाके की भारत सिटी सोसायटी में नौवीं मंजिल से कूदकर जान देने वाली तीन नाबालिग बहनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है । तीनों बहनें करीब 80 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरीं थी।इतनी ऊंचाई से गिरने के करण उनकी सभी पसलियां टूट गई थीं। साथ ही हृदय, लिवर, गुर्दा सहित सभी अंदरूनी अंग फट गए थे। इस घटना में सिर्फ दूसरे नंबर की बहन प्राची के सिर की हड्डी नहीं टूटी थी। पोस्टमार्टम करने वाले एक चिकित्सक का कहना है कि अगर तत्काल इलाज मिल जाता तो उसकी जान बच सकती थी। रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी लड़की के शरीर पर पुराना घाव या चोट का निशान नहीं मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार, बड़ी बहन निशिका के पेट में सिर्फ 50 ग्राम खाना था। इससे स्पष्ट था कि उसने दोपहर बाद कुछ नहीं खाया था। प्राची और पाखी के पेट में 250 से 300 ग्राम खाना मिला था। इससे पता चला कि दोनों ने रात में खाना खाया था। मौत का कारण स्पष्ट होने से बिसरा नहीं रखा गया।पुलिस को घटनास्थल पर मिले आठ पेज के सुसाइड नोट में लिखा है कि किशोरियां अपनी सबसे छोटी चौथे नंबर की बहन

देबू की कोरियन दोस्तों से बात कराती थीं। ऐसे में इस सवाल का जवाब तलाशना सबसे अहम हो जाता है कि तीनों बहनों ने किस तरह कोरियन दोस्त बनाए। किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद से बातचीत करती थीं। हालांकि, किशोरियों की मां के मोबाइल फोन से साइबर टीम को किसी तरह के कोरियन एप व गेम नहीं मिले हैं। ऑनलाइन कोरियन टास्क गेम की जानकारी भी जांच में सामने नहीं आई है। ऐसे में पुलिस अब निशिका और प्राची से छीनकर बेचे गए मोबाइल फोन रिकवर करने में जुटी है।

कई बार बेटियों को था समझाया: चेतन

भले ही पुलिस की शुरुआती जांच में ऑनलाइन टास्क गेम की बात सामने न आई हो, लेकिन पिता चेतन कुमार का कहना है कि तीनों किशोरियां तीन साल से टास्क गेम खेल रही थीं। उन्होंने यह भी बताया कि बेटियां कोरिया जाने की जिद करती थीं। इस संबंध में कई बार उन्होंने बेटियों को समझाकर शांत कराया। वहीं, पोस्टमार्टम के बाद तीनों नाबालिग बहनों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध घाट ले जाया गया।पत्रकारों से बातचीत में चेतन ने बताया कि उनकी तीनों बेटियां स्कूल नहीं जा रही थीं। पूर्व में फेल होने की वजह से शर्म के चलते बेटियों ने स्कूल जाना बंद कर दिया था। इसके बाद वह मोबाइल में कोरियन टास्क गेम खेलने लगीं।

बुधवार को हादसे के बाद जब फॉरेंसिक टीम घर पहुंची तो उन्होंने मोबाइल में गेमिंग एप देखे। पिता के अनुसार, हादसे से पहले भी बेटियों के पास मोबाइल था। हालांकि, उन्हें यह जानकारी नहीं है कि वह गेम खेल रही थीं या कुछ और कर रही थीं।

पाकिस्तान सीमा के पास होगी तैनाती

पांच तेजस वायुसेना में शामिल होने को तैयार, बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) ने स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मार्क-1ए की आपूर्ति पर जारी अटकलों पर विराम लगा दिया। कंपनी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पांच विमान वायुसेना को सौंपने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इस बारे में वायुसेना के साथ से सक्रिय बातचीत जारी है।

एचएएल ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि इन विमानों में शर्तों के हिसाब से सभी खूबियां व क्षमताएं जोड़ी गई हैं। साथ ही कहा, नौ और विमान भी बनाए जा चुके हैं। उनका परीक्षण भी हो चुका है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक से इंजन मिलते ही यह विमान भी वायुसेना को देने के लिए तैयार हो जाएंगे। विमानों में देरी का बड़ा कारण अमेरिकी इंजनों की आपूर्ति में हो रही बाधाएं मानी जा रही थीं। एचएएल ने स्पष्ट किया कि उसे अब तक पांच इंजन मिल चुके हैं और फिलहाल आपूर्ति की स्थिति सकारात्मक है। तेजस मार्क1ए को बीकानेर के नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। पाकिस्तान की सीमा से पास होने के कारण यह जगह सामरिक दृष्टि से बेहद अहम है।

180 कुल विमान शामिल होंगे

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ साल 2021 में 83 मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए करीब 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। पिछले वर्ष सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 97 अतिरिक्त लड़ाकू विमानों के 62,370 करोड़ रुपये के दूसरे सौदे पर भी हस्ताक्षर किए, जिसके तहत वायुसेना को 68 सिंगल सीटर और 29 ट्विन सीटर विमान मिलेंगे। एचएएल ने साल 2032-33 तक वायुसेना के लिए सभी 180 विमान बना लेने का लक्ष्य रखा है।

महाशिवरात्रि पर 24 घंटे खुले रहेंगे मंदिर के पट, फूलों से होगा श्रृंगार

खंडवा। महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर 24 घंटे दर्शनार्थियों के लिए खुला रहेगा। इस वजह से प्रतिदिन रात साढ़े आठ बजे होने वाली शयन आरती नहीं होगी। महापर्व पर भगवान शिव भी रतजगा करेंगे। ज्योतिर्लिंग मंदिर की फूलों से सजावट की जाएगी। श्रीजी मंदिर ओंकारेश्वर ट्रस्ट द्वारा तड़के तीन बजे से मंदिर के पट दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए जाएंगे, जो अगले दिन रात तीन बजे कुछ समय बंद रहने के बाद फिर खुल जाएंगे। शास्त्रों के अनुसार ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती रात्रि विश्राम करते हैं। इसके चलते रात्रि में यहां भगवान के लिए सेज, झूला और चौंसर भी बिछती है। रात्रि 8:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर शयन आरती की जाती है। इसके बाद भगवान विश्राम करते हैं।

रायपुर में सड़क हादसा

स्कूल जा रहे भाई-बहन को टो-गाड़ी ने कुचला

रायपुर। रोजाना दोनों बच्चे ऑटो से स्कूल आना जाया करते थे लेकिन आज दोनों भाई बहन एक्टिवा लेकर स्कूल के लिए घर से निकले थे और सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। छत्तीसगढ़ क्लब के सामने स्कूल जा रहे दो बच्चों को ट्रैफिक पुलिस की टो-गाड़ी ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। दुर्घटना के बाद टो-गाड़ी का चालक मौके से फरार हो गया। घायल बच्ची को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

चेन्नई में फैला बर्ड फ्लू, वायरस से सैकड़ों कौवों की मौत, सरकार ने जारी की एडवाइजरी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी में चेन्नई में बर्ड फ्लू का अलर्ट जारी किया गया है। चेन्नई में सैकड़ों कौवे मरे हुए पाए गए हैं। लैब टेस्ट में H5N1 वायरस की पुष्टि हुई है। टेस्ट में कौवों की मौत की वजह H5N1 यानी बर्ड फ्लू बताई गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आम जनता के लिए एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि H5N1 वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए कौवों और पोल्ट्री के सभी शवों को बायोसिक्योरिटी प्रोटोकॉल के अनुसार या तो जला दिया जाए या गहरे गड्ढे में दफना दिया जाए।

एडवाइजरी में जनता को मरे हुए पक्षियों को छूने या संभालने से बचने की सख्त सलाह दी गई है और किसी भी नए मामले के बारे में तुरंत स्थानीय अधिकारियों को सूचित करने का आग्रह किया गया है। वहीं, केंद्रीय पशुपालन मंत्रालय ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए तत्काल और व्यापक फील्ड निगरानी करने को कहा है। H5N1 इन्फ्लूएंजा A वायरस का एक बहुत ही खतरनाक स्ट्रेन है जो मुख्य रूप से पक्षियों, खासकर पोल्ट्री और जंगली पक्षियों को संक्रमित करता है। इसे आमतौर पर 'बर्ड फ्लू' के नाम से जाना जाता है और यह पक्षियों की आबादी में तेजी से फैल सकता है। हालांकि H5N1 मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करता है, लेकिन यह कभी-कभी इंसानों और अन्य जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है।

आम जनता के लिए माना जा रहा खतरनाक

H5N1 वायरस को आम जनता के लिए बहुत खतरनाक माना जाता है। यह वायरस पक्षियों में तेजी से फैलता है। इंसानों में, संक्रमण दुर्लभ हैं, लेकिन जब वे होते हैं, तो वे गंभीर हो सकते हैं। कई पुष्ट मानव मामलों में निमोनिया जैसी गंभीर श्वसन संबंधी बीमारियां शामिल रही हैं।

मेट्रो एंकर

सालों तक रुकता है बारिश का पानी, लाखों के लिए सिंचाई और पेयजल का सहारा

121 साल पुराना सुकवा बांध है बुंदेलखंड की लाइफ लाइन

झांसी, एजेंसी

बुंदेलखंड में अक्सर सूखे जैसे हालात रहते हैं, कई-कई साल तक मानसून की बारिश न होने के कारण किसानों के खेतों के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना और पेयजल संकट को दूर करना चुनौतीपूर्ण होता था। इस समस्या से निपटने के लिए ब्रिटिश सरकार ने पूरे बुंदेलखंड में बड़े-बड़े बांध बनवाए। इन बांधों को जलप्रपात भी कहा जाता है, बुंदेलखंड के सभी सातों जिलों में कई ऐसे जलप्रपात हैं जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। बुंदेलखंड के इन जलप्रपातों (बांधों) ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए दशकों से अपने भीतर संचित पानी को बेतवा नदी और नहरों में छोड़कर किसानों के

खेतों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया है। साथ ही, पेयजल संकट को भी दूर करने में इन बांधों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बांध में कुल 3,759 मिलियन क्यूबिक फीट पानी हो सकता है संचित

देश की आजादी से पहले, साल 1905 में सुकवा ढुकवा बांध का निर्माण ब्रिटिश सरकार ने बेतवा नदी पर शुरू किया था। 1909 में ढुकवा बांध पूरी तरह से बनकर तैयार हुआ। इस बांध को बनाने का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार का यह था कि बारिश का पानी हर हाल में इन बांधों में संचित किया जाए, ताकि बुंदेलखंड के सभी जिलों में रहने वाले किसानों और आम लोगों के लिए पानी की कभी कमी न हो। सुकवा बांध 121 साल पुराना है, इस बांध की कुल लंबाई 3845 फीट है और ऊंचाई 50 फीट है। सुकवा बांध में कुल 383 क्रेन-ऑपरेटेड गेट और तीन सुलाइस गेट हैं, इस बांध में कुल 3,759 मिलियन क्यूबिक फीट पानी संचित किया जा सकता है।

इस महत्वपूर्ण सुकवा बांध के पानी से दो लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जा सकती है। सिंचाई और पेयजल संकट को दूर करने के लिए बांध का पानी पिछले कई दशकों से इस्तेमाल किया जा रहा है। बेतवा नदी पर बने सुकवा ढुकवा बांध के पानी से कुछ हिस्सों में बिजली उत्पादन का भी काम किया जा रहा है। इससे बुंदेलखंड समेत आसपास के राज्यों में बांध के पानी से बनी बिजली की सप्लाई होती है। इस बांध के पानी से 201 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में किसानों के खेतों की सिंचाई भी की जाती है। 121 साल पुराने इस बड़े जलप्रपात को देखने के लिए खास तौर पर मानसून के मौसम में हजारों लोग यहां पहुंचते हैं। बांध के आसपास प्राकृतिक सुंदरता के अलावा घने जंगल, बड़े-बड़े पत्थरों के पहाड़ और जलप्रपात के भीतर पानी के सैलाब को देखकर लोग रोमांचित होते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564